आकाशवाणी
भारत में आज ही के दिन 23 जुलाई 1927 को विधिवत रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुम्बई में इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कम्पनी के माध्यम से हुई थी
राष्ट्रीय प्रसारण दिवस
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 53/ अंक 09/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, रविवार 23 जुलाई 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

महाआर्यमन सिंधिया बेच रहे फल-सब्जी, राजनीति से पहले कारोबार में आजमा रहे हाथ

दोस्त के साथ मिलकर शुरू किया अनोखा स्टार्टअप

अर्चना शर्मा

भोपाल। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन सिंधिया आजकल चर्चा में हैं। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का मेंबर बनने और अपने पिता के संसदीय क्षेत्र में उनकी सक्रियता से अब कयास लगाए जा रहे हैं कि महाआर्यमन सिंधिया भी आने वाले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से राजनीतिक पारी शुरू करेंगे। राजनीति और क्रिकेट के अलावा बहुत कम लोगों को पता है कि महाआर्यमन का झुकाव बिजनेस की ओर भी खूब है। उन्होंने दो स्टापर्टअप शुरू किए हैं और वे दोनों ही काफी सफलता से चल रहे हैं। उनके द्वारा शुरू किए वेजिटेबल स्टार्टअप मंडी का महीने का टर्नओवर 01 करोड़ रुपये है। महाआर्यमन सिंधिया ने अपनी शुरुआती पढ़ाई पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह दून स्कूल से की है। उन्होंने गेल यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है। पढ़ाई के बाद उन्होंने बोस्ट न कंसल्टिंग ग्रुप के साथ कुछ समय काम किया। महाआर्यमन सिंधिया को म्यूजिक और खाने का बहुत शौक है। अपने शौक को पूरा करने के लिए उन्हों ने कैंबेल नाम से म्यूकजिक फेस्टिवल शुरू किया है। इसी तरह उन्होंने प्रवास नाम से एक कल्चएरल इवेंट भी शुरू किया है। कैंबेल में भाग लेने के लिए प्रति व्यक्ति 75 हजार रुपये तो प्रवास के लिए 02 लाख रुपये एंट्री फीस ली जाती है। खूब सफल है सब्जी स्टार्टअप महाआर्यमन सिंधिया ने एक वेजिटेबल स्टार्टअप माई मंडी शुरू किया है। कंपनी एक ऑनलाइन एग्रीगेटर है जो ताजी फल और सब्जियां सप्लाई करता है। यह स्टिार्टअप स्कील मॉडल पर काम करता है। कंपनी एकसाथ बड़ी मात्रा में सब्जियां खरीदती हैं। फिर उन्हें सब्जीट विक्रेताओं को भेजती है। फिलहाल कंपनी की सेवाएं जयपुर, नागपुर, ग्वालियर और आगरा में उपलब्ध हैं। कंपनी का रेवेन्यूज अभी एक करोड़ रुपये महीना है और इस साल के अंत तक पांच करोड़ होने का अनुमान है। रहते हैं महल में महाआर्यमन ग्वालियर मैं बने जय विलास महल में रहते हैं। इस महल में 400 कमरे हैं और इसकी कीमत 4,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। 1874 में महल को बनाने पर 1.1 करोड़ रुपये खर्च हुए शे। महाआर्यमन के पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया इस समय नरेंद्र मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। चुनाव आयोग को दिए हल्फ नामे के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति 379 करोड़ रुपये है।

उत्तराखंड के चीफ सेक्रेटरी संधू को मिला 6 माह का एक्सटेंशन

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्य सचिव एस एस संधू को 6 महीने का एक्सटेंशन दिया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के उत्तराखंड कैडर के अधिकारी संधू 31 जुलाई को रिटायर होने वाले थे लेकिन अब वे 31 जनवरी 2024 को रिटायर होंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केदारनाथ और बद्रीनाथ ज्योतिर्लिंग में महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं और ऐसे अहम प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें केंद्र द्वारा फंडिंग किया गया है। ये सारे प्रोजेक्ट संधू के कार्यकाल में शुरू हुए हैं। माना जा रहा है कि इन कार्यों को पूरा करने के लिए संधू का एक्सटेंशन किया गया है। बता दें कि संधू को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने पहले कार्यकाल में चीफ सेक्रेटरी बनाया था।

पचमढ़ी मानसून मैराथन 23 जुलाई को, देशभर से 1350 से अधिक धावक मैराथन में लेंगे हिस्सा

भोपाल। पचमढ़ी में 23 जुलाई, रविवार को पचमढ़ी मानसून मैराथन का पाँचवां संस्करण होगा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से 'एडवेंचर एंड यू' (के.ए. कनेक्ट) यह मैराथन कर रहा है। नागपुर, मुंबई, नई दिल्ली, जयपुर, भोपाल और इंदौर सहित देशभर से प्रतिभागी शामिल होने के लिए पचमढ़ी पहुँच रहे हैं। मैराथन को देशभर से मिले अच्छे रिस्पॉन्स के कारण कुल 1350 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं। यह अब तक के संस्करणों में सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन है।

4 श्रेणियों में होगी मैराथन- मैराथन चार श्रेणियों- 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 21 किलोमीटर और 42 किलोमीटर में होगी। सभी दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेनव्यू से होगी। विजेताओं को सर्टिफिकेट, ट्रॉफी और मेडल दिए जाएंगे। यह दौड़ टाइम्ड रन हैं। प्रतिभागियों को एक टाइमिंग चिप, सर्टिफिकेट, ड्राई-फिट मैराथन टी.शर्ट, फिनिशर्स मेडल, पोस्ट रेस रिफ्रेशमेंट और पूरे रूट पर सपोर्ट मिलेगा।

एक जिला एक उत्पाद योजना में नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में पर्यटन को चुना गया है। इसी योजना में स्थानीय जिला प्रशासन ने 52 हफ्ते की 52 गतिविधियां चिन्हित की हैं, जिनमें यह मैराथन भी है।

शिवराज ने विधि विधान से पूजन- अर्चन कर किया चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भुपेन्द्र यादव, कैलाश विजयवर्गीय शिवप्रकाश, मुरलीधर राव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, हितानंद शर्मा थे मौजूद

भोपाल। रविवार सुबह भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रबंधन कार्यालय का बंसल वन में शुभारंभ किया गया। माइक्रो मैनेजमेंट की दृष्टि से कार्यालय की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भुपेन्द्र यादव, कैलाश विजयवर्गीय, शिवप्रकाश, मुरलीधर राव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, हितानंद शर्मा ने चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ किया।

चुनाव प्रबंधन कार्यालय के शुभारंभ के तुरंत बाद मोर्चा प्रकोष्ठों की बैठक शुरू हो गई। बैठक में मोर्चा के प्रदेश प्रभारियों और सह प्रभारियों के साथ चुनावी राजनीति बनाई जाएगी। चुनावी दृष्टि से प्रकोष्ठों के गठन को लेकर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, शिवप्रकाश, मुरलीधर राव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और हितानंद शर्मा मोर्चा प्रकोष्ठों की बैठक ले रहे हैं।

कांग्रेस को घेरने की रणनीति

तोमर ने चुनावी तैयारियों की जानकारी ली और प्रतिदिन बैठक कर कांग्रेस को घेरने की रणनीति बनाने पर जोर दिया। तोमर और प्रहलाद पटेल ने शनिवार को ही मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से अलग-अलग मुलाकात भी की। इस दौरान दोनों नेताओं की मुख्यमंत्री से लंबी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्री, विधायकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भी चर्चा की गई है।

नरसिंहपुर-करेली के बीच पटरी से उतरा मालगाड़ी का डिब्बा, कई ट्रेनें हुई प्रभावित

जबलपुर/नरसिंहपुर। जबलपुर मंडल के नरसिंहपुर-करेली के बीच एक माल गाड़ी का डिब्बा शनिवार रात पटरी से उतर जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित हो गया। हालांकि रेलवे ने सुबह डाउन लाइन से रेल यातायात चालू कर दिया है। अप लाइन यातायात प्रभावित रहने के कारण अभी 4 रेल गाड़ियां परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी। साथ ही जबलपुर से रानीकमलापति जाने वाली जनशताब्दी एवं जबलपुर वंदे भारत ट्रेन को आज 2 घंटे रि-शिड्यूल किया गया।

मणिपुर घटना के बाद डर की वजह से मिजोरम छोड़ रहा मैतेई समुदाय, सरकार ने की विमान भेजने की पेशकश

आइजवाल। बीते दिनों मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना का असर पड़ोसी राज्य मिजोरम पर भी पड़ा है। बता दें कि डर की वजह से मिजोरम में रह रहे मैतेई समुदाय ने पलायन शुरू कर दिया है। हालात को देखते हुए मणिपुर की सरकार ने भी लोगों को विमान से लाने की पेशकश की है।

एक बयान से फैला डर- बता दें कि मिजोरम में रहने वाले मिजो लोगों के, मणिपुर के कुकी और जोमी जनजाति के लोगों के साथ गहरे जातीय संबंध हैं। मणिपुर में जिन महिलाओं के साथ ज्यादती की गई, वह कुकी और जोमी जनजाति की ही थीं। ऐसे में पूर्व उग्रवादी संगठन मिजो नेशनल फ्रंट के सहयोगी संगठन पीस अकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि मिजोरम में रह रहे मैतेई समुदाय के लोग अपनी सुरक्षा के लिए राज्य छोड़ दें।

अपाक्स के तत्वावधान में भोपाल में अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग का एक सम्मेलन आयोजित किया गया सम्मेलन में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध वकील एवं राज्यसभा सदस्य विवेक तंखा पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल राज सभा सदस्य राजमणि पटेल पूर्व विधायक रामकिशोर दोगने पूर्व महापौर विभा पटेल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश पटेल मंत्री राजकुमार पटेल सहित कई पिछड़ा वर्ग के नेता शामिल हुए।

35 जिलों में बाहर से आने वाले अवैध धन की निगरानी के लिए बनेंगे चेकपोस्ट

भोपाल। विधानसभा चुनाव के पहले मध्य प्रदेश के 35 जिलों के बॉर्डर पर चेकपोस्ट बनाने का काम किया जाएगा। इन चेक पोस्ट पर पुलिस और आबकारी विभाग के अफसरों की टीम तैनात रहेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इसके लिए संबंधित जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को चेक पोस्ट पर पुलिस अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। यह 35 जिले 5 राज्यों की सीमा से लगे हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश अनुपम राजन ने पिछले दिनों विधानसभा निर्वाचन-2023 में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर निर्वाचन सदन भोपाल में बैठक की है। इसमें अधिकारियों को गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे मध्यप्रदेश के 35 जिलों के मुख्य मार्गों पर चेक पोस्ट बनाने के लिए कहा गया है।

चेकपोस्ट से असामाजिक तत्वों, अवैध मदिरा, अवैध धन, अवैध हथियार, हवाला का पैसा, ड्रग्स, अवैध मादक पदार्थ, अवैध वाहनों सहित अन्य गतिविधियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करने और साप्ताहिक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त करने, पुलिस अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण कराने सहित अन्य बिंदुओं पर पुलिस एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

यह जिले हैं पांच राज्यों की सीमा से लगे- एमपी की सीमा से लगे पांच राज्य गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश हैं जिनकी सीमा से मध्यप्रदेश के 35 जिले सटे हुए हैं। इसमें बालाघाट, मंडला, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, सीधी, सिंगरौली, झाबुआ, अलीराजपुर, आगर-मालवा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, मुरैना, श्योपुर, बैतूल, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर हैं। इसके अलावा छिंदवाड़ा, सिवनी, भिंड, दतिया, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, रीवा, सतना, पन्ना और निवाड़ी जिला सीमावर्ती जिलों में शामिल हैं।

जी 20 समिट के लिए तैयार हुआ प्रगति मैदान का आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स

26 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के जी 20 नेताओं की बैठकों की मेजबानी दिल्ली के प्रगति मैदान में पुनर्विकसित आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स में की जाएगी। इस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन 26 जुलाई को किया जाना है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के स्वामित्व वाली साइट के पुनर्विकास की जिम्मेदारी निर्माण कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को दी गई थी।

दुनिया के टॉप 10 कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स में हुआ शामिल- लगभग 123 एकड़ के परिसर क्षेत्र में फैले प्रगति मैदान इस कॉम्प्लेक्स में भारत के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) आयोजित किए जाएंगे। पुनर्विकसित और आधुनिक आईईसीसी कॉम्प्लेक्स दुनिया के 10 सबसे बड़े प्रदर्शनी और कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स की लिस्ट में शामिल हो चुका है। यह जर्मनी के हनोवर एग्जीबिशन सेंटर और शंघाई के नेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर को टक्कर दे रहा है।

7 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था, शानदार एम्फीथिएटर- आईईसीसी का बुनियादी ढांचा बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की क्षमता का प्रमाण है। कन्वेंशन सेंटर के लेवल 3 पर, 7,000 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित सिडनी ओपेरा हाउस की लगभग 5500 की बैठने की क्षमता है। इसके अलावा, आईईसीसी में 3,000 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला एक शानदार एम्फीथिएटर भी है, जो 3 पीवीआर थियटर्स के बराबर है। यहां प्रदर्शन, सांस्कृतिक शो और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित होंगे।

व्यवसाय और नेटवर्किंग के लिए बेहतरीन मंच- आईईसीसी में वैश्विक स्तर पर मेगा सम्मेलनों, अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों और सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदर्शनी हॉल उत्पादों, नवाचारों और विचारों को प्रदर्शित करने के लिए सात नवीन स्थान भी हैं। ये अत्याधुनिक हॉल प्रदर्शकों और कंपनियों को अपने लक्षित दर्शकों के साथ जुड़ने, व्यवसाय विकास और नेटवर्किंग के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा।

मानसून मध्य प्रदेश पर मेहरबान, 20 अगस्त तक बने रहने की संभावना, कई राज्यों में बारिश का कहर

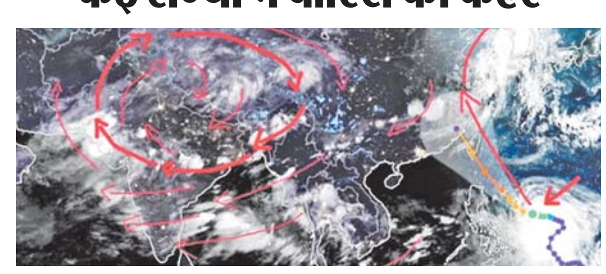

भोपाल। मध्य प्रदेश आज भी उत्तरी भाग को छोड़कर शेष भाग में बारिश का गहरा असर रहेगा। मध्यप्रदेश को पूर्वी मानसून दस्तक दे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार जुलाई के अंतिम दिनों से लेकर अगस्त पहले सप्ताह तक बारिश का जोर रहेगा। यूं बारिश का सिलसिला प्रदेश में 20 अगस्त तक चलने की संभावना है।

इस समय चायना के पश्चिमी भाग से लेकर भारत के पूर्वी राज्यों, फिर मध्य और दक्षिण राज्यों से होकर पश्चिमी राज्य से उत्तरी राज्यों तक मानसून का घेरा चल रहा है। इस तरह भारत के एक ओर पाकिस्तान, तो दूसरी ओर किर्गिस्तान, चायना, म्यांमार, बांग्लादेश भी मानसून की गिरफ्त में चल रहे हैं। सिर्फ दक्षिण में श्रीलंका इस बंधन से मुक्त है।

मानसून का यह चक्र इसलिए भी चल रहा है क्योंकि चायना के पूर्वी भाग में एक चक्रवात फिलीपींस की ओर से उठ कर आ रहा है, जिसके कारण उत्तर भारत से जा रही हवाएं चायना के पश्चिमी भाग से टकराकर वापस भारत के पूर्वी भाग में लौट रही है, इससे भारत के कई राज्यों में बारिश का असर हो रहा है।

आज उत्तर में कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर ङ्क पूर्व में नागालैंड, मिजोरम,अरुणाचल, असम,त्रिपुरा, बांग्लादेश, पूर्व में उड़ीसा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य में मध्य प्रदेश, दक्षिण में सभी राज्य, दक्षिण ङ्क पश्चिम में महाराष्ट्र, गोवा, पश्चिम में गुजरात राजस्थान में आज कई स्थानों पर तेज बारिश की संभावना है।

इस समय चायना के पश्चिमी भाग से लेकर भारत के पूर्वी राज्यों, फिर मध्य और दक्षिण राज्यों से होकर पश्चिमी राज्य से उत्तरी राज्यों तक मानसून का घेरा चल रहा है। इस तरह भारत के एक ओर पाकिस्तान, तो दूसरी ओर किर्गिस्तान, चायना, म्यांमार, बांग्लादेश भी मानसून की गिरफ्त में चल रहे हैं। सिर्फ दक्षिण में श्रीलंका इस बंधन से मुक्त है।

मानसून का यह चक्र इसलिए भी चल रहा है क्योंकि चायना के पूर्वी भाग में एक चक्रवात फिलीपींस की ओर से उठ कर आ रहा है, जिसके कारण उत्तर भारत से जा रही हवाएं चायना के पश्चिमी भाग से टकराकर वापस भारत के पूर्वी भाग में लौट रही है, इससे भारत के कई राज्यों में बारिश का असर हो रहा है।

आज उत्तर में कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर ङ्क पूर्व में नागालैंड, मिजोरम,अरुणाचल, असम,त्रिपुरा, बांग्लादेश, पूर्व में उड़ीसा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य में मध्य प्रदेश, दक्षिण में सभी राज्य, दक्षिण ङ्क पश्चिम में महाराष्ट्र, गोवा, पश्चिम में गुजरात राजस्थान में आज कई स्थानों पर तेज बारिश की संभावना है।

ट्विटर को लेकर एलन मस्क ने फिर किया बड़ा ऐलान, अब ब्लैक होगा चिड़िया का रंग, चिड़िया के लोगो को हटाने की तैयारी

नई दिल्ली। ट्विटर का मालिक बनने के बाद से एलन मस्क ने माइक्रोब्लागिं प्लेटफॉर्म में कई सारे बदलाव कर डाले और अभी भी कई बड़े बदलाव करते हुए नजर आ रहे है। एलन मस्क ने अब हाल ही में बैक टू बैक कई ट्वीट किए हैं जिनमे उन्होंने कई बड़े संकेत दिए है। अब एक बार फिर माना जा रहा है कि माइक्रोब्लागिं प्लेटफॉर्म ट्विटर में बड़े बदलाब हो सकते है।

एलन मस्क ने ट्वीट कर ट्विटर के लेटेस्ट अपडेट के बारें में बताया है। एलन मस्क ने ट्वीट कर एक पोल डाला है जिसमें उन्होंने लोगों से ट्विटर के डिफॉल्ट कलर को व्हाइट्स से बदलकर ब्लैक करने के लिए सुझाव मांगा है। एलन मस्क जल्द ही ट्विटर की चिड़िया के लोगो को हटाने की तैयारी कर रहे हैं। मस्क ने लिखा कि जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे।

ट्विटर के मालिक मस्क ने एक और ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने लिखा कि जल्द ट्विटर ब्रैंड की विदाई होने वाली है और चिड़िया उड़ने वाली है। उन्होंने ञ्च2द्बह्लह्लद्गह्म पर एक पोल क्रिएट किया, जिसमें उन्होंने लोगों से पूछा है कि क्या ट्विटर के नीले रंग को काले रंग में बदल देना चाहिए। जब तक हमने खबर लिखी तब तक 76 फीसदी लोगों का ऐसा मानना है कि ट्विटर के डिफॉल्ट कलर का रंग बदलकर ब्लैक कर देना चाहिए। जानकारी के लिए आपको बता दें कि, हाल ही में मस्क ने कहा है कि ञ्च2द्बह्लह्लद्गह्म पर डायरेक्ट मैसेज (डीएम) करने के लिए भी पैसे देने होंगे।

मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय

क्रमांक सी-5-2/2018/1/3 भोपाल,दिनांक 22जुलाई-2023

प्रति,

शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्ष, राजस्व मण्डल, म.प्र., ग्वालियर
समस्त विभागाध्यक्ष,
समस्त संभागीय आयुक्त,
समस्त जिला कलेक्टर,
समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत,
मध्यप्रदेश।

विषय- राज्य सरकार के विभागो में संविदा पर नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश।

संदर्भ-(1) विभाग का समसंख्यक परिपत्र क्रमांक सी-5-2/2018/1/3भोपाल, दिनांक 05 जून, 2018

(2) विभाग का समसंख्यक परिपत्र क्रमांक सी-5-2/2018/1/3भोपाल, दिनांक 25 जुलाई, 2018

(3) विभाग का समसंख्यक परिपत्र क्रमांक सी-5-2/2018/1/3भोपाल, दिनांक 22 जुलाई, 2020

--00--

Page 1 of 18

विषयान्तर्गत एवं संदर्भित परिपत्रों के अनुक्रम में शासन के विभागों के अंतर्गत नियुक्त संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवा शर्तों के संबंध में निम्नानुसार नवीन दिशा-निर्देश प्रसारित किए जाते हैं-

1. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति के अवसर

1.1 राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि शासन के विभिन्न विभागों में संविदा आधार पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को नियमित पदों के विरूद्ध नियुक्ति के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

1.2 इस उद्देश्य से राज्य शासन के विभागों के अनुमोदित प्रशासनिक सेटअप में सर्वप्रथम सीधी भर्ती के नियमित पदों से संविदा पदों के समकक्षता निर्धारण की कार्यवाही प्रशासकीय विभाग द्वारा इस परिपत्र की कंडिका-3 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

1.3 समकक्षता निर्धारण की कार्यवाही के पश्चात विभाग के जिन संविदा पदों का सीधी भर्ती के नियमित पद के साथ समकक्षता का निर्धारण हो जाता है, ऐसे सीधी भर्ती के नियमित पदों को संविदा पद पर नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए आरक्षित करने की कार्यवाही निम्नानुसार संपादित की जाएगी-

1.3.1 विभाग के सीधी भर्ती के नियमित पद के समकक्ष संविदा पदों पर 5 वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण करने वाले संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की कुल संख्या के 50% पद अथवा विभाग में सीधी भर्ती के रिक्त पद के 50% तक के पद (दोनों में से जो कम हो), संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए आरक्षित रखे जाएंगे। इन निर्देशों अथवा संदर्भित पूर्व निर्देशों के अंतर्गत आरक्षण सुविधा का एक बार लाभ लेकर नियुक्ति प्राप्त कर लेने (Joining) उपरांत पुन: लाभ की पात्रता नहीं होगी।

1.4 इस आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए निम्न संविदा सेवक पात्र होंगे :-

Page 2 of 18

1.4.1 विभाग में नियमित भर्ती के रिक्त पद के समकक्ष संविदा पद पर आवेदक न्यूनतम 05 वर्ष तक निरंतर संविदा आधार पर नियुक्त रहा हो। संविदा पद से नियमित पद की समकक्षता का निर्धारण इस परिपत्र की कंडिका-3 के अनुसार किया जाएगा। 05 वर्ष की यह अवधि रिक्त पद के विरूद्ध आवेदन करने की दिनांक को पूर्ण होना चाहिए। इस आशय का प्रमाण-पत्र उसे प्रस्तुत करना होगा। यह प्रमाण-पत्र यथास्थिति जिला अथवा राज्य स्तर के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा।

1.4.2 सेवा नियमों में प्रश्नाधीन नियमित पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक अर्हता तथा अन्य सुसंगत अनुभव जो वांछित है, उन्हें वह पूर्ण करता हो।

1.5 यदि किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी ने एक ही संविदा पद पर कार्य न करते हुए विभिन्न संविदा पदों पर कार्य किया है तो 05 वर्ष की उपरोक्त अवधि की गणना पूर्ण होने पर वह उस श्रेणी के नियमित पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन कर सकेगा, जो इस परिपत्र की कंडिका-3 के अनुसार नियमित पद से समकक्षता निर्धारण के पश्चात 05 वर्ष की अवधि में निम्नतम श्रेणी का रहा हो।

1.6 अगर किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को संविदा के पद से किसी अवधि में हटा दिया गया हो तथा उसे पुनः उसी पद पर अथवा किसी अन्य पद पर संविदा पर नियुक्ति प्राप्त हो गई हो तो 05 वर्ष की संविदा सेवा की अवधि की गणना, सेवा से पृथक रहने की अवधि को घटा कर की जाएगी।

1.7 किसी भी विभाग में कार्यरत संविदा पर नियुक्त अधिकारी/ कर्मचारी अन्य किसी भी विभाग के द्वारा विज्ञप्त पद पर आवेदन कर सकेगा, जिसके लिए वह इस परिपत्र की कंडिका-3 के अनुसार नियमित पद से समकक्षता एवं अर्हता रखता

Page 3 of 18

हो। यह आवश्यक नहीं है कि जिस विभाग में संविदा पर सेवक नियुक्त है, उसी विभाग में उसे नियमित नियुक्ति के अवसर दिए जायें।

1.8 राज्य शासन में नियमित नियुक्ति होने की स्थिति में संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को पूर्व की संविदा सेवाओं का किसी भी प्रकार का लाभ प्राप्त नहीं हो सकेगा।

1.9 संविदा अधिकारी/ कर्मचारियों के लिए इस प्रकार आरक्षित किए गए नियमित पदों पर भर्ती की पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के माध्यम से चयन किया जाएगा, जिसके लिए नियुक्तिकर्ता विभाग द्वारा न्यूनतम कटऑफ अंक निर्धारण एवं अन्य अर्हताओं के संबंध में नियम बनाये जाकर चयन प्रक्रिया का निर्धारण किया जाएगा।

1.10 संविदा अधिकारी/ कर्मचारी एक अथवा एक से अधिक प्रकार के संविदा पदों पर नियुक्त रहा हो सकता है। ऐसी स्थिति में संविदा पद के जिस समकक्ष नियमित पद पर वह नियुक्ति हेतु आवेदन करता है, उसके बराबर या उच्चतर संविदा पद पर वह जितने वर्ष कार्यरत रहा, उतने वर्ष की छूट उसे निर्धारित अधिकतम आयु-सीमा में मिलेगी। आयु संबंधी समस्त छूट सम्मिलित करते हुए संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की अधिकतम आयु 55 वर्ष से अधिक नहीं होगी। पुन: ध्यान आकर्षित किया जाता है कि विभाग स्तर पर समकक्षता स्तर की कार्यवाही इस परिपत्र की कंडिका-3 के अनुसार होगी।

1.11 संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए समकक्ष नियमित पदों पर नियुक्ति हेतु आरक्षित वे पद उस स्थिति में अन्य उम्मीदवारों से भरे जाएंगे, जिन पदों को भरे जाने के लिए विहित पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के पालन उपरांत पर्याप्त संख्या में संविदा अधिकारी/ कर्मचारी अंतिम रूप से चयनित अथवा उत्तीर्ण नहीं हो पाते। संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए आरक्षित पद रिक्त रहने की दशा में कैरी फारवर्ड नहीं किए जाएंगे।

Page 4 of 18

1.12 नियमित पदों के विरूद्ध नियुक्ति की प्रक्रिया में अनुसूचित जाति/ जनजाति/ पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

2. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु होने पर अनुकंपा नियुक्ति

2.1 राज्य सरकार द्वारा संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु होने पर शासकीय सेवकों की भांति उनके आश्रित एक सदस्य को संविदा आधार पर अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक सी 3-12/2013/1/3, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर, 2014, पत्र क्रमांक 136/109/2021/1/3, भोपाल, दिनांक 01 फरवरी, 2021, पत्र क्रमांक सी 03-06/2021/1/3, भोपाल, दिनांक 01 फरवरी, 2023, पत्र क्रमांक सी 03-12/2013/1/3, भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 2023, पत्र क्रमांक सी 03-12/2013/1/3, भोपाल, दिनांक 19 जून, 2023 एवं भविष्य में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

3. संविदा पदों की नियमित पदों से समकक्षता का निर्धारण

3.1 वर्तमान में संविदा पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को नियमित पदों के समकक्ष वर्गीकरण करने की कार्यवाही परिशिष्ट-1 अनुसार सुनिश्चित की जावे। यह कार्यवाही दिनांक 31 जुलाई-2023 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए।

3.2 विभाग अंतर्गत स्वीकृत संविदा के जिन पदों के लिए विभाग में समकक्ष नियमित पदों अथवा सुसंगत वेतनमान के वर्गीकरण में कठिनाई है, उन्हें विभाग पृथक से चिन्हित करें।

Page 5 of 18

3.3 उपरोक्त कण्डिका-3.1 के अनुसार किए गए वर्गीकरण की कार्यवाही का अनुमोदन एवं कण्डिका-3.2 के अनुसार चिन्हित पदों/ वेतनमान के समकक्ष नियमित पदों में वर्गीकरण में आ रही कठिनाई का निराकरण मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन की अध्यक्षता में गठित सक्षम समिति द्वारा किया जाएगा। समिति में अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग एवं संबंधित विभाग के अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव/ सचिव सदस्य के रूप में सम्मिलित होंगे। समिति की बैठक आयोजित कराने एवं पदों के वर्गीकरण तथा समकक्षता निर्धारण की कार्यवाही को अंतिम रूप देने का उत्तरदायित्व संबंधित प्रशासकीय विभाग का होगा। यह कार्यवाही दिनांक 10 अगस्त-2023 तक पूर्ण कर ली जाए।

3.4 समिति के निर्णय के अनुरूप प्रशासकीय विभाग द्वारा दिनांक 25 अगस्त-2023तक विभाग अंतर्गत स्वीकृत सभी संविदा पदों के सुसंगत नियमित वेतनमान में वर्गीकरण एवं उन पदों की नियमित पदों के साथ समकक्षता निर्धारण की कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाकर सामान्य प्रशासन विभाग को इस आशय का प्रमाण-पत्र 30 अगस्त-2023 अथवा इसके पूर्व उपलब्ध कराया जाएगा।

3.5 भविष्य में संविदा के नवीन पद सृजित होने की स्थिति में विभाग द्वारा उक्त संविदा पद के वर्गीकरण एवं नियमित पद से समकक्षता का निर्धारण एवं सुसंगत वेतनमान में वर्गीकरण की कार्यवाही उपरोक्त निर्धारित प्रक्रिया अनुसार की जाएगी।

. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के पारिश्रमिक का पुनर्निधारण एवं वार्षिक वृद्धि

Page 6 of 18

4.1 ऐसे संविदा पर नियुक्त अधिकारी/ कर्मचारी, जिनकी संविदा नियुक्ति दिनांक 1 अप्रैल, 2018 के पूर्व हुई हो एवं जो नियुक्ति दिनांक से निरंतर उक्त संविदा पद पर कार्यरत हैं, का पारिश्रमिक पुर्ननिर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा-

4.1.1 इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले समस्त संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों का मासिक पारिश्रमिक दिनांक 1 अप्रैल 2018 की स्थिति में समकक्ष नियमित पद के शासकीय सेवकों के लिए 7वें वेतनमान अंतर्गत संबंधित पे-मेट्रिक्स लेवल के न्यूनतम मूल वेतन के 100% के बराबर काल्पनिक आधार पर प्रगणित कर पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

4.1.2 दिनांक 1 अप्रैल 2018 की स्थिति में संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को प्राप्त हो रहे मासिक पारिश्रमिक तथा कंडिका 4.1.1 के अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक में से जो अधिक हो, उसे संविदा अधिकारी/ कर्मचारी के लिए दिनांक 1 अप्रैल 2018 की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

4.1.3 कंडिका 4.1.2 के अनुसार पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक में उपभोक्ता मूल्यसूचकांक के आधार पर वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.69%, वित्तीय वर्ष 2020-21 में 5.16%, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 4.88%, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.94%, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 3.77% की वृद्धि कर दिनांक 1 अप्रैल 2023 की स्थिति में देय पारिश्रमिक का निर्धारण किया जायेगा। प्रतिवर्ष वार्षिक वृद्धि, विगत वर्ष में वार्षिक वृद्धि जोड़कर पुर्ननिर्धारित किए गए पारिश्रमिक पर आगामी 100 रूपये के गुणांक तक पूर्णांकित कर प्रगणित की जायेगी।

Page 7 of 18

वार्षिक वृद्धि का काल्पनिक उदाहरण (सारणी-1)

- माना कि 01 अप्रैल, 2018 की स्थिति में किसी संविदा कर्मचारी/ अधिकारी का नियमित पद के समकक्ष पुर्ननिर्धारित पारिश्रमिक 1000 रूपए प्रतिमाह है।
- वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 7.69% की वृद्धि जोड़ने पर 01 अप्रैल, 2019 की स्थिति में पारिश्रमिक बढ़कर 1076.90 रूपए प्रतिमाह हो जाएगा।
- वार्षिक वृद्धि गणना सूत्र निम्नानुसार रहेगा-

सूत्र- $\frac{\text{01 अप्रैल, 2018 की स्थिति में पारिश्रमिक X वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक}}{100}$

$$\frac{1000 \times 7.69}{100} = 76.90 \text{ रूपए}$$

- इस प्रकार वार्षिक वृद्धि 7.69% को जोड़ने पर संविदाकर्मी का नवीन पारिश्रमिक - 1000 + 76.90 = 1076.90होगा।
- अब इसमें वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए 5.16% की वृद्धि की जाएगी। इस वृद्धि का परिगणन निम्नानुसार होगा-

सूत्र- $\frac{\text{01 अप्रैल, 2019 की स्थिति में पारिश्रमिक X वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक}}{100}$

$$\frac{1076.90 \times 5.16}{100} = 55.57 \text{ रूपए}$$

- इस प्रकार वार्षिक वृद्धि 5.16% को जोड़ने पर संविदाकर्मी का नवीन पारिश्रमिक - 1076.90 + 55.57= 1132.47 होगा।
- इसी प्रकार क्रम से आगे के वर्षों के लिए गणना की जाएगी।
- 1 अप्रैल-2023 की स्थिति में प्रगणित पारिश्रमिक को आगामी 100 रुपए के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा।

Page 8 of 18

4.1.4 इस प्रकार प्रगणित एवं पुनर्निधारित पारिश्रमिक संबंधित संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 01 अगस्त-2023 से देय होगा।

4.1.5 यदि किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 1 अप्रैल 2023 की स्थिति में प्राप्त पारिश्रमिक, कंडिका 4.1.1 से कंडिका 4.1.3 अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक से अधिक है तो संविदा अधिकारी/ कर्मचारी का वर्तमान पारिश्रमिक ही 1अप्रैल-2023 की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

4.2 ऐसे संविदा अधिकारी/ कर्मचारी, जिनकी संविदा नियुक्ति 1 अप्रैल 2018 अथवा उसके पश्चात हुई है एवं वे उस दिनांक के पश्चात निरंतर संविदा पद पर कार्यरत है, का पारिश्रमिक पुनर्निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा -

4.2.1 इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले समस्त संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के मासिक पारिश्रमिक का पुनर्निर्धारण वर्तमान संविदा पद पर उनकी वास्तविक नियुक्ति तिथि को आधार मानते हुए समकक्ष नियमित पद के शासकीय सेवकों के लिए 7वें वेतनमान अंतर्गत संबंधित पे-मेट्रिक्स लेवल के न्यूनतम मूल वेतन के 100% के बराबर काल्पनिकआधार पर प्रगणित कर पुर्ननिर्धारित किया जाएगा।

4.2.2 संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को वर्तमान संविदा पद पर नियुक्ति तिथि की स्थिति में प्राप्त हो रहे मासिक पारिश्रमिक तथा कंडिका 4.2.1 के अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक में से जो अधिक हो, उसे संविदा अधिकारी/ कर्मचारी के लिए उनकी वर्तमान पद पर नियुक्ति तिथि की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

4.2.3 कंडिका 4.2.2 के अनुसार पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.69%, वित्तीय वर्ष

Page 9 of 18

4.1.4 इस प्रकार प्रगणित एवं पुनर्निधारित पारिश्रमिक संबंधित संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 01 अगस्त-2023 से देय होगा।

4.1.5 यदि किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 1 अप्रैल 2023 की स्थिति में प्राप्त पारिश्रमिक, कंडिका 4.1.1 से कंडिका 4.1.3 अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक से अधिक है तो संविदा अधिकारी/ कर्मचारी का वर्तमान पारिश्रमिक ही 1अप्रैल-2023 की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

4.2 ऐसे संविदा अधिकारी/ कर्मचारी, जिनकी संविदा नियुक्ति 1 अप्रैल 2018 अथवा उसके पश्चात हुई है एवं वे उस दिनांक के पश्चात निरंतर संविदा पद पर कार्यरत है, का पारिश्रमिक पुनर्निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा -

4.2.1 इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले समस्त संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के मासिक पारिश्रमिक का पुनर्निर्धारण वर्तमान संविदा पद पर उनकी वास्तविक नियुक्ति तिथि को आधार मानते हुए समकक्ष नियमित पद के शासकीय सेवकों के लिए 7वें वेतनमान अंतर्गत संबंधित पे-मेट्रिक्स लेवल के न्यूनतम मूल वेतन के 100% के बराबर काल्पनिकआधार पर प्रगणित कर पुर्ननिर्धारित किया जाएगा।

4.2.2 संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को वर्तमान संविदा पद पर नियुक्ति तिथि की स्थिति में प्राप्त हो रहे मासिक पारिश्रमिक तथा कंडिका 4.2.1 के अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक में से जो अधिक हो, उसे संविदा अधिकारी/ कर्मचारी के लिए उनकी वर्तमान पद पर नियुक्ति तिथि की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

4.2.3 कंडिका 4.2.2 के अनुसार पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.69%, वित्तीय वर्ष

Page 9 of 18

पूर्ण हो जाएंगे, ऐसी स्थिति में पुन: पारिश्रमिक में वार्षिक वृद्धि की जाएगी।

- अब इसमें वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर संबंधित वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 4.88% की वृद्धि की जाएगी। इस वृद्धि का परिगणन निम्नानुसार होगा-

सूत्र- $\frac{\text{01 जनवरी, 2021की स्थिति में पारिश्रमिक X वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक}}{100}$

$$\frac{1051.60 \times 4.88}{100} = 51.32 \text{ रूपए}$$

- इस प्रकार वार्षिक वृद्धि 4.88% को जोड़ने पर 01 जनवरी, 2022की स्थिति में संविदाकर्मी का नवीन पारिश्रमिक - 1051.60+ 51.32= 1102.91 होगा।
- इसी प्रकार क्रम से आगे के वर्षों के लिए गणना की जाएगी।
- 1 अप्रैल-2023 की स्थिति में प्रगणित पारिश्रमिक को आगामी 100 रुपए के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा।

4.2.4 इस प्रकार प्रगणित एवं पुनर्निधारित पारिश्रमिक संबंधित संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 01 अगस्त-2023 से देय होगा।

4.2.5 यदि किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को दिनांक 1 अप्रैल 2023 की स्थिति में प्राप्त पारिश्रमिक, कंडिका 4.2.1 से कंडिका 4.2.3 अनुसार प्रगणित पारिश्रमिक से अधिक है,तो संविदा अधिकारी/ कर्मचारी का वर्तमान पारिश्रमिक ही 1अप्रैल-2023 की स्थिति में काल्पनिक आधार पर पुनर्निर्धारित पारिश्रमिक माना जावेगा।

.3 म.प्र. शासन, वित्त विभाग द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 2024 एवं उसके पश्चात संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों हेतु पारिश्रमिक में वार्षिक वृद्धि की गणना हेतु प्रत्येक वर्ष की 30 अप्रैल तक AICPIN (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) के आधार पर वार्षिक वृद्धि का प्रतिशत प्रगणित एवं अधिसूचित करने की कार्यवाही नियमित रूप से संपादित की जाएगी।

Page 11 of 18

4.4 संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को देय वार्षिक वृद्धि निरंतर एक वर्ष की सेवा पूर्ण करने के माह के प्रथम तिथि को देय होगी। अर्थात 15 जुलाई-2022 को संविदा नियुक्त को वार्षिक वृद्धि 1 जुलाई-2023 को देय होगी।

4.5 यदि कोई संविदा अधिकारी/ कर्मचारी, जो किसी विभाग के किसी संविदा पद पर कार्य करने के पश्चात किसी अन्य विभाग के किसी अन्य संविदा पद पर नियुक्त हो अथवा एक ही विभाग के पृथक-पृथक अथवा एक ही संविदा पद के विरुद्ध अलग-अलग समयावधि में पदस्थ रहने की स्थिति निर्मित हो तो ऐसी स्थितिमें मासिक पारिश्रमिक तथा उस पर वार्षिक वृद्धि की गणना संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की वर्तमान संविदा पद पर नियुक्ति तिथि के आधार पर की जाएगी।

5. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की अवकाश स्वीकृति

5.1 संविदा पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियोंको एक कैलेण्डर वर्ष में 13 दिन के आकस्मिक अवकाश एवं 3 दिन के ऐच्छिक अवकाश की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त उन्हें पृथक से एक वर्ष में 15 दिवस के विशेष अवकाश की पात्रता होगी। कैलेण्डर वर्ष की समाप्ति पर शेष अवकाश स्वतः व्यपगत हो जाएगा।

5.2 संविदा पर नियुक्त महिला अधिकारियों/ कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश, की पात्रता उन प्रतिबंधों के साथ रहेगी, जो महिला शासकीय सेवक के लिए मध्यप्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम, 1977 में निर्धारित है। इसी प्रकार संविदा पर नियुक्त पुरूष अधिकारी/ कर्मचारियों को वर्णित अवकाश नियम अनुसार 15 दिवस के पितृत्व अवकाश की पात्रता होगी।

5.3 उपरोक्त संशोधनों को आधार मानकर उपरोक्तानुसार वर्णित अवकाश श्रेणियों से संबंधित पूर्व स्वीकृत/ निराकृत प्रकरण पुन: नहीं खोले जाएंगे।

Page 12 of 18

6. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के साथ अनुबंध निष्पादन

6.1 संविदा पर कार्य करने हेतु नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों के अनुबंधों को एक बार निष्पादित किए जाने के पश्चात समान संविदा शर्तों पर पुन: नये सिरे से अनुबंध निष्पादित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

6.2 यदि वार्षिक सेवा मूल्यांकन के आधार पर संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी का कार्य संतोषप्रद पाया जाता है और उनके विरूद्ध किसी प्रकार की अनुशासनात्मक अथवा अभियोजन कार्यवाही प्रचलित न हो अनुबंध का स्वत: ही समान शर्तों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा नवीनीकरण किया जाएगा। प्रचलित अनुबंध पत्र पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा आगामी 1 वर्ष के नवीनीकरण की टीप दर्ज की जावेगी तथा पुन: फ्रेश अनुबंध निष्पादित करने की अनिवार्यता नहीं होगी।

7. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को उपादान भुगतान

7.1 संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की आयु, जिस माह में 62 वर्ष हो रही है, उस माह के अंतिम दिवस को उनकी सेवाएं स्वत: समाप्त मानी जाएगी परन्तु यदि किसी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की जन्मतिथि माह की पहली तारीख है तब उसकी सेवा पूर्व माह के अंतिम तिथि को समाप्त मानी जाएगी।

7.2 संविदा पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को नियमित शासकीय सेवकों की भांति उपादान भुगतान अधिनियम, 1972 के सुसंगत प्रावधानों के अनुसार उपादान के भुगतान की कार्यवाही की जाएगी।

7.3 उपादान भुगतान का यह प्रावधान उन संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों पर लागू होगा, जिनकी 01 अगस्त, 2023 के पश्चात सेवा पूर्ण होने अथवा सेवा में रहते हुए मृत्यु हुई हो।

8. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ

Page 13 of 18

8.1 संविदा पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में पृथक से विस्तृत दिशा-निर्देश वित्त विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे।

9. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के सेवा मूल्यांकन एवं उनके विरूद्ध कार्यवाहियों से संबंधित प्रावधान

9.1 संविदा पर नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवा युक्तियुक्त आधार व कारणों के बिना समाप्त नहीं की जाए।

9.2 यदि सक्षम प्राधिकारी को संविदा पर नियुक्त अधिकारी/ कर्मचारी के विरूद्ध प्राप्त शिकायत की प्रारंभिक जाँच पश्चात इस बात का समाधान हो जाता है कि शिकायत/ आरोप गंभीर प्रकृति के हैतो ऐसी स्थिति में सक्षम प्राधिकारी प्रकरण में जाँच आदेशित करेगा।

9.3 सक्षम प्राधिकारी द्वारा अपचारी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी के विरूद्ध लगाए गए आरोपों/ शिकायतों की जाँच की कार्यवाही अपचारी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करते हुए आरोप/ शिकायत प्राप्ति से 2 माह में अनिवार्य रूप से पूरी की जाएगी।

9.4 शिकायत/ आरोप की विस्तृत जांच की अवधि में अपचारी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को शासकीय कार्यों से विरत रखा जाएगा एवं इस अवधि में संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को उसके निर्धारित मासिक पारिश्रमिक का 50% पारिश्रमिक ही प्राप्त होगा। जांच के पश्चात दोषमुक्त होने की स्थिति में रोके गए संपूर्ण पारिश्रमिक का भुगतान सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया जा सकेगा।

9.5 शिकायत/ आरोप प्रमाणित होने की स्थिति में अपचारी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की जांच अवधि के दौरान रोका गया 50% पारिश्रमिक स्थाई रूप से वापस ले लिया जाएगा तथा अपचारी अधिकारी/ कर्मचारी के पारिश्रमिक में प्रतिवर्ष होने वाली वार्षिक वृद्धि का लाभ भी आरोपों की गंभीरता के आधार पर

Page 14 of 18

अधिकतम आगामी 2 वित्तीय वर्ष के लिए रोके जाने का निर्णय लिया जा सकेगा। सक्षम प्राधिकारी का समाधान होने पर दण्ड स्वरूप संविदा अधिकारी/ कर्मचारी की सेवा समाप्त करने की कार्यवाही भी की जा सकेगी।

9.6 इस परिपत्र के जारी होने की तिथि से पूर्व की तिथियों में यदि संविदा अधिकारी/ कर्मचारी के विरूद्ध कोई शिकायत की जांच अथवा अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई हो अथवा वर्तमान में प्रचलित/ लंबित हो तो ऐसी कार्यवाहियों पर इस परिपत्र की सुसंगत कंडिकाएं लागू नहीं होंगी।

9.7 शिकायत/ आरोप की जांच के दौरान अपचारी संविदा अधिकारी/ कर्मचारी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा।

9.8 संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों का वित्तीय वर्ष के अनुसार वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी स्तर पर संधारित किया जाएगा। वार्षिक कार्य मूल्यांकन में संविदा अधिकारी/ कर्मचारी का कार्य असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में संविदा कर्मचारी की सेवा समाप्त करने की कार्यवाही की जा सकेगी।

10. संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ

10.1 संविदा पर कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से एक पृथक योजना लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा तैयार की जाकर सक्षम अनुमोदन पश्चात उसे लागू किया जाएगा।

11. अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

11.1 संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों के समकक्ष नियमित पदों एवं वेतनमान के अनुरूप श्रेणीकरण एवं वर्गीकरण, संविदा पारिश्रमिक एवं उसमें वार्षिक वृद्धि के निर्धारण तथा सेवा शर्तों में संशोधन के संबंध में इस परिपत्र में उपरोक्तानुसार वर्णित प्रावधानों के अनुक्रम में संबंधित विभागों द्वारा संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की वर्तमान संविदा सेवा शर्तों को इन निर्देशों की सीमा तक तत्काल

Page 15 of 18

प्रभाव से स्वमेव संशोधित माना जाएगा और भविष्य में संविदा अधिकारियों/ कर्मचारियों की नियुक्ति एवं सेवा शर्तों में उपरोक्तानुसार प्रावधान अनिवार्य रूप से जोड़े जाएंगे।

11.2 समस्त संबंधित विभागों द्वारा प्रशासित संविदा अनुबंध तथा इस हेतु निर्धारित सुसंगत प्रक्रियाएं एवं वर्णित प्रावधान, इस परिपत्र में वर्णित प्रावधानों के अनुरूप एवं उस सीमा तक तत्काल प्रभाव से स्वमेव संशोधित माने जाएंगे।

11.3 इस परिपत्र के जारी होने के फलस्वरूप संदर्भित परिपत्र दिनांक 05 जून, 2018, दिनांक 25 जुलाई-2018 एवं दिनांक 22 जुलाई, 2020 को एतद द्वारा अधिक्रमित किया जाता है, किन्तु इन परिपत्रों के अनुपालन में पूर्व में की गई कार्यवाहियाँ इस आधार पर व्यपगत नहीं मानी जाएंगी।

11.4 विभागों द्वारा इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपने प्रशासकीय सेटअप तथा भर्ती नियमों में यथोचित आवश्यक परिवर्तन किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

11.5 मध्यप्रदेश शासन के विभागों के अंतर्गत आने वाले निगम/ मण्डल/ सार्वजनिक उपक्रम/ स्थानीय निकाय/ विश्वविद्यालय/ आयोग/ विकास प्राधिकरण/ बोर्ड/ परिषद/ संस्थाएं इन दिशा निर्देशों को अपने संविदा कार्मिकों के लिए लागू करने के संबंध में अपने स्तर पर समुचित निर्णय लेने के लिए सक्षम होंगे।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(गिरीश शर्मा)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

पृष्ठांकन क्रमांक सी-5-2/2018/1/3 भोपाल,दिनांक 22जुलाई-2023

प्रतिलिपि -

1. राज्यपाल के सचिव, मध्यप्रदेश राजभवन, भोपाल।
2. महालेखाकार, मध्यप्रदेश ग्वालियर/भोपाल।
3. रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर।
4. प्रमुख सचिव/सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, मध्यप्रदेश।
5. माननीय मंत्री/राज्यमंत्री के निज सचिव/निज सहायक, मध्यप्रदेश।
6. महानिदेशक, प्रशासन अकादमी, भोपाल।
7. अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल।
8. अध्यक्ष, प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल।
9. प्रमुख सचिव/सचिव/उप सचिव/ अवर सचिव (स्थापना/अधीक्षण), मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल ।
10. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय, भोपाल।
11. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश, भोपाल।
12. सचिव, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन, भोपाल।
13. सचिव, लोकायुक्त, मध्यप्रदेश, भोपाल।
14. सचिव, लोक सेवा आयोग, मध्यप्रदेश, इन्दौर।
15. सचिव, मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग, भोपाल।
16. सचिव, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल।
17. मुख्य सचिव के उप सचिव, मुख्य सचिव कार्याल, मध्यप्रदेश, भोपाल।
18. महाधिवक्ता/उप महाधिवक्ता, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर, खण्डपीठ इन्दौर/ग्वालियर।
19. आयुक्त, जनसंपर्क संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल।
20. समस्त जिला कोषालय अधिकारी, मध्यप्रदेश।
21. मुख्य लेखाधिकारी, मंत्रालय, भोपाल।
22. अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति, भोपाल।
23. अध्यक्ष, शासन के समसत मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

(गिरीश शर्मा)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

परिशिष्ट - 1

विभाग अंतर्गत स्वीकृत संविदा पदों के वर्गीकरण का प्रारूप

विभाग का नाम -

क्रमांक	संविदा पद का नाम	समकक्ष नियमित पद का नाम	समकक्ष नियमित पद की श्रेणी (प्रथम/द्वितीय / तृतीय/चतुर्थ)	समकक्ष नियमित पद का सातवें वेतनमान का पे- मेट्रिक्स लेवल	समकक्ष नियमित पद का सातवें वेतनमान का पे- मेट्रिक्स लेवल के अनुसार प्रगणित न्यूनतम पारिश्रमिक
1	2	3	4	5	6

संविदा कर्मचारियों को लेकर सरकार ने लिया अंतिम फैसला

नियमितीकरण सहित अन्य वेतन भत्तों के लिए दिशा निर्देश जारी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा पर अमल करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने आज विभिन्न विभागों में संविदा पर नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवा शर्तों के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। साथ ही विभागों से कहा गया है कि इन दिशा निर्देशों के अनुरूप अपने प्रशासकीय सेटअप तथा भर्ती नियमों में आवश्यक परिवर्तन कर नियमों का पालन किए जाना सुनिश्चित किया जाए।

आज जारी निर्देशों में कहा गया है कि मध्य प्रदेश शासन के विभागों के अंतर्गत आने वाले निगम, मंडल, सार्वजनिक उपक्रम, स्थानीय निकाय, विश्वविद्यालय, आयोग, विकास प्राधिकरण, बोर्ड, परिषद, संस्थाएं इन दिशा निर्देशों को अपने संविदा कर्मियों के लिए लागू करने के संबंध में अपने स्तर पर समुचित निर्णय लेने के लिए सक्षम होंगे।

दिशा निर्देश में संविदा अधिकारियों कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति के अवसर, उनकी सेवा काल में मृत्यु होने पर अनुकंपा नियुक्ति, संविदा पदों की नियमित पदों से समकक्षता का निर्धारण, उनके पारिश्रमिक का पुनरनिर्धारण एवं वार्षिक वृद्धि, अवकाश स्वीकृति, उनके साथ अनुबंध निष्पादन, उनके आश्रितों को उपादान भुगतान, उन्हें राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ, उनका सेवा मूल्यांकन एवं उनके विरुद्ध कार्रवाई से संबंधित प्रावधान, उन्हें स्वास्थ्य बीमा लाभ तथा अन्य महत्वपूर्ण निर्देशों को सम्मिलित किया गया है।

एलिवेटेड ब्रिज को लेकर व्यापारी बोले कारोबार होगा चैपट, स्थान बदला जाए

व्यापारियों ने कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी के साथ बैठक में की पीड़ा व्यक्त

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर में प्रस्तावित डबल डेकर एलिवेटेड ब्रिज को लेकर कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी के साथ शहर के व्यापारियो ने बैठक की। जिसमें पार्षद अशोक मारण, आंनद सबधाणी, माँधु चाँदवानी, घनशायम लालवानी, किराना एसोसिएशन के नरेश गिदवानी, कपड़ा व्यापारी कन्हैया दामानी, आलोक अग्रवाल, शशांक गुप्ता, भरत आसवानी, नरेंद्र केवलानी, दिलीप ज्ञानचंदानी सहित कई व्यापारी मौजूद थे। नरेश ज्ञानचंदानी ने व्यापारियो का दर्द सुना फिर कहा कि विकास शहर को सुविधाएं देने के लिए होता है ना कि विनाश के लिए। किसी भी योजना को जमीन पर लाने से पहले शहरवासियों व व्यापारियो से चर्चा कर सहमति लेना जरूरी है। एलिवेटेड ब्रिज बनने से संतनगर का व्यापार चैपट हो जाएगा। 60 सालो से जो कड़ी मेहनत कर तीन पीढ़िया गुजर गई है वो ब्रिज से मिट जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रिज को मुख्य मार्ग से ना बनाते हुए तालाब किनारे से बनाया जाए इससे किसी को कोई नुकसान नही होगा इस सम्बन्ध में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केन्द्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह कर चुके है कुछ व्यापारियो ने भी अपनी बात रखी और कहा कि जहां पर भी ब्रिज बने है वहा व्यवसाय चैपट हो गया है।

मक्का मदीना की पवित्र हज यात्रा कर लौटे हाजियों का भोपाल एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। हाजियों की वापसी पर नगरवासियों ने सभी हाजियों का इस्तकबाल कर उनको हजयात्रा की बधाई दी।

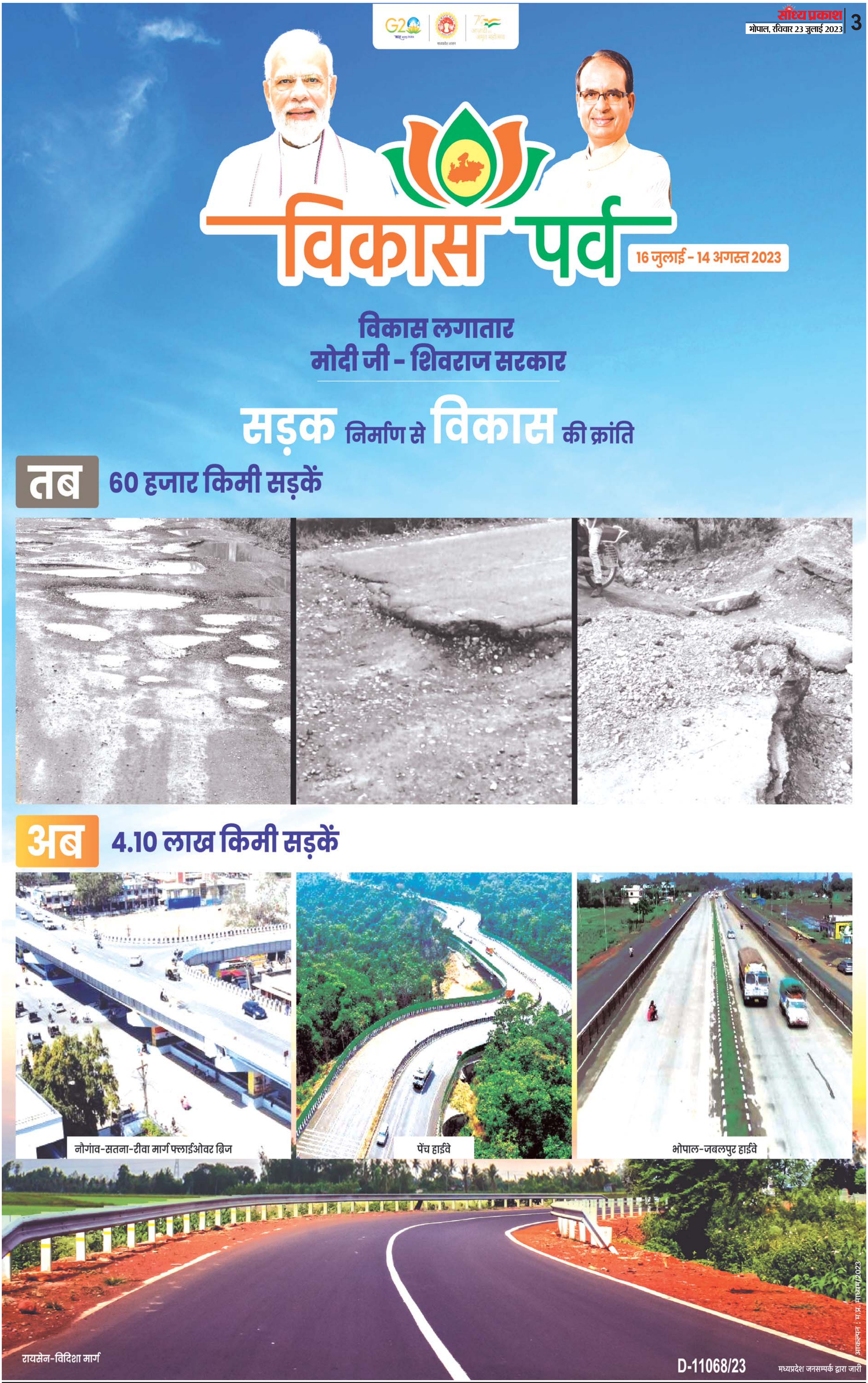
G20
मध्यप्रदेश शासन
विकास पर्व
16 जुलाई - 14 अगस्त 2023
विकास लगातार
मोदी जी - शिवराज सरकार
सड़क निर्माण से विकास की क्रांति
तब 60 हजार किमी सड़कें
अब 4.10 लाख किमी सड़कें
नौगांव-सतना-रीवा मार्ग फ्लाईओवर ब्रिज
पेंच हाईवे
भोपाल-जबलपुर हाईवे
रायसेन-विदिशा मार्ग
D-11068/23
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023

शर्म, शर्म और शर्म से भरा मणिपुर का बेशर्म वीडियो

-ऋतुपर्ण दवे

मणिपुर में जो हुआ बेहद शर्मनाक था, उससे भी शर्मनाक पुलिस संरक्षण में जाती पीड़िता को भीड़ द्वारा छुड़ा लेना, उससे भी शर्मनाक अपराधियों की करतूत का विरोध करने का साहस दिखाने वाले पीड़िता के पिता और भाई की भी हत्या निर्वस्त्र पीड़िता के सामने होना, उससे भी शर्मनाक वहां के मुख्यमंत्री का बयान जिसमें कहना कि ऐसी सौ-सौ घटनाएं हुई हैं? उससे भी शर्मनाक पता होकर भी पुलिस एफआईआर लिखे जाने में देरी है। जैसा झुलसते मणिपुर कह रहे हैंकि इससे भी शर्मसार करने वाले वाकिये सामने आना बांकी है, दुखद है। देश गुस्से में है, होना भी चाहिए। अगर इंसानों का सभ्य समाज जिन्दा है तो जिन्दा दिखना भी चाहिए।

आदिवासी मणिपुरी महिलाओं को पूरी तरह से निर्वस्त्र कर भीड़ द्वारा सरेआम घुमाना और पीड़िताओं की लाज, लज्जा से कई-कई बार खुले आम खिलवाड़ करना सभ्य समाज और दुनिया नहीं स्वीकारेगी ऐसा तो कबीलाई समाज में भी कभी देखा या सुनानहीं गया।महिला कोनिर्वस्त्र कर भीड़ ने जो नंगा नाच किया वो जंगली जानवरों के हमले से भी ज्यादा खतरनाक और दर्दनाक था।माना कि 4 मई की घटना की सच्चाई का 21 सेकेण्ड का वीडियो इण्टरनेट बंदी के चलते मणिपुर की बाहरी दुनिया को जल्द पता नहीं चल पाया लेकिन वहां की स्थानीय पुलिस को 19 जुलाई तक पता नहीं चलना कई लिहाज से दुखद व शर्मनाक है।यह भी बहुत ही दुःखद और चिन्ताजनक है कि कि दरिंदगी और शर्म से डुबो देने वाली घटनाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीशकाखुद आगे बढ़कर हरकत में आना और कार्रवाई के लिए सरकार को समय सीमा की चेतावनी देना है। वहीं प्रधानमंत्री खुद इसे कहते हैं कि मणिपुर की घटना से उनका हृदय पीड़ा में है। शर्मसार करने वाली घटना है। पापी कौन हैं कितने हैं, वो अपनी जगह है लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है। मैं मुख्यमंत्री से अपील करता हूँ कि अपने-अपने राज्यों में कानून व्यवस्था को मजबूत करें। ये राज्य सरकार की विफलता नहीं तो और क्या है? 80 दिन पहले हुई और जिसकी एफआईआर 62 दिन पहले दर्ज होना और मामले के लिए वीडियो वायरल होने का इन्तजार करना अपने आप में बड़ा सवाल है?बात महज तीनमहिलाओं की आबरू की नहीं, सरे आम, सरे राह और सैकड़ों लोगों के सामने तार-तार करने की भी नहीं बल्कि इससे भीबहुत-बहुत आगे की है।

पीड़िता के बयान बहुत दर्दनाक हैं।कैसे तीन मई को आधुनिक हथियारों से लैस 800 से लेकर 1000 लोग थोबल ज़िले में उस गाँव में घुस गए जहां यह घटना घटी? लूटपाट कर आग लगाती भीड़ को पुलिस ने काबू करना तो उल्टा पीड़िताओं को उन्हीं के हवाले कर देना बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है?अपने पिता व भाई के साथ खुद को बचाने जंगलो की ओर भाग रही थी तो पुलिस ऐसी देवदूत बनी जिसने थोड़ी ही दूर पर उन्हेंराक्षसों की भीड़ को सौंप दिया। भीड़ ने 20, 42 और 50 साल महिला को निर्वस्त्र कर दिया।20 वर्षीया महिला की सरेराह और सरेआम कई-कई बार इज्जत लुटी। दुखद यह भी है कि आरोपियों में से एक पीड़िता के भाई का दोस्त था। सच में मणिपुर में नफरत की दीवारें इंसानियत और रिश्तों को तार-तार करनेकी हदों से भी ज्यादा है।एफआईआर से पता चला कि कुल तीन महिलाओं में से दो को नग्न करघुमाया गया। तीसरी को कपड़े उतारने खातिर मजबूर किया गया जो वीडियो में नहींदिखी। महिला के पति भारतीय सेना में सूबेदार होकर र?टायर हुए।वोकारगिल लड़ाई में आगे होकर लड़ चुके हैं।भारी मन से कहते हैं कि उन्होंने युद्ध बड़ी-बड़ी लड़ाई लड़ीं।लेकिन अबउन्हें उनका घर भयावह युध्दों के मैदान से ज्यादा खतरनाक लगने लगा है। वो बेबस हैं जो अपनी गर?मा, घर और सारी कमाई यानी सब कुछ खो चुके हैं।

मणिपुर में पिछले 83 दिनों से हिंसा जारी है। राजधानी इम्फाल बीचों बीच बसा प्रदेश का 10 प्रतिशत हिस्सा है जिसमें 57 प्रतिशतद आबादी रहती है। बांकी 90 प्रतिशत पहाड़ी इलाके हैं जिनमें 43 प्रतिशत लोग रहते हैं। इम्फाल घाटी मैतेई बहुल है जहां ज्यादातर हिंदू हैं तथा आबादी के लिहाज से 53 प्रतिशत है। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक इसी समुदाय के हैं। दूसरी ओर पहाड़ों में 33 मान्य जनजातियां आबाद हैं जो नगा और कुकी हैं। दोनों खासकर ईसाई हैं। वहीं 8-8 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और सनमही समुदाय की है। संविधान काअनुच्छेद 371-सीपहाड़ी जनजातियों को वो विशेष दर्जा और सुविधाएं देता हैजो मैतेई को नहीं मिलते। इसी लैंड रिफॉर्म एक्ट के कारण मैतेई पहाड़ों में जमीन नहीं खरीदसकते जबकि जनजातीय केपहाड़ों से घाटी में आकर बसने पर कोई रोक नहीं है। बस इसी कारण दोनों में मतभेद हुए जो वक्त के साथ बढ़ते चले गए।

कुकी और मैतेई के बीच बढ़ती दूरियों की वजहें भले ही कुछ भी हों लेकिन यदि इसके समाधान की कोशिशें होतीं तो शायद मणिपुर के हालात कुछ और होते। ऐसा लगता है कि फिलाहाल न तो मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति ही है और न कोई ठोसप्रयास हो रहे हैं। हालात सामने हैं। इस बीच पूरे देश में जबरदस्त उबाल से यह भी समझ आया कि कहीं न कहीं मणिपुर की मीडिया भी निष्पक्षता का शिकार है। हो सकता है कि वहां के आन्तरिक हालातों को राष्ट्रीय मीडिया तक न पहुंचने दिया जा रहा हो वरना कुछ न कुछ हल तो जरूर निकलता। महज एक वीडियो के बाद ये भी दावे किए जा रहे हैं कि मणिपुर से दूसरे समुदायों के उत्पीड़न के इससे भी भयावह वीडियो व तस्वीरें सामने आ जाएं तो हैरानी नहीं होनी चाहिए !ऐसा लगता है कि मणिपुर में काफी कुछ हुआ है जो सामने आना बांकी है।

ये वही मणिपुर है जहां महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा अधिकार मिले हैं। एशिया का सबसे बड़ा महिला बाजार एमा मार्केट राजधानी इंफाल की शोभा बढ़ाता है। अंग्रेजों के विरोध आन्दोलन का खासा इतिहास भी है। शराबबन्दी पर मणिपुरी महिलाओं की जागरूकता मिशाल है। उग्रवाद के उफान के वक्त भी महिलाओं के साथ ऐसी शर्मनाक घटनाएं नहीं हुई।

इधर सोशल मीडिया पर मणिपुर की घटनाओं को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। जाहिर हैं यह सब राजनीति का हिस्सा हो सकते हैं। लेकिन सच भी है कि इस दौर में लोग सबसे ज्यादा सोशल मीडिया को देखते, सुनते और भरोसा कर बैठते हैं। सोशल मीडिया की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। कुछ लोग अफीम की खेती पर प्रतिबंध से कमर बौखलाए लोगों की करतूत बताते हैं तो कुछ इसे मूल भारतीयों के अधिकार की लड़ाई कहते हैं। जाहिर है सोशल मीडिया के दावों की सच्चाई अपने आप में ही सवालिया होती है लेकिन लोगों तक इनके पहुंचने से रोक पाना भी तो बेहद कठिन है।

कैसी विडंबना है कि आधी आबादी के बराबरी के दावों पर काफी कुछ बोलती केन्द्र या राज्यों की सरकारें नहीं अघातीं, महिलाओं के सम्मान को लेकर छाती ठोंकती हैं। लेकिन सिवाय कुछ राज्यों में बिना देरी के ऐसे अपराधियों के घर बुलडोजर चल जाते हैं वहीं मणिपुर में सब कुछ जानते हुए भी अपराधियों पर एफआईआर तक में देरी में कैसी मजबूरी? शायद वहां के हालात वहां की राजनीति का शिकार होकर खुद इतने बेकाबू हो गए हैं कि अब काबू कर पाना बहुत चुनौती पूर्ण है। मणिपुर पुलिस का रविवार तड़के आया एक ट्वीट महत्वपूर्ण है जिसमें पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 126 नाके और जांच चौकियां बनानेतथा हिंसा के संबंध में 413 लोगों को हिरासत में लेने की बात लिखी है। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-37 पर पर जरूरी सामान की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं के साथ 749 वाहनों की और एनएच-2 पर 174 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने का दावा भी किया गया है। काश, पुलिस पहले चेत जाती?

फुटबॉल को शौक, पत्रकारिता को पैशन कहने वाले वहां के मुख्यमंत्री भले ही कहेंकि वो आत्मा की पुकार सुनकर लोगों की सेवा करने राजनीति में आए थे।तीन मई से जारी मैतेई और कुकी समुदायों की हिंसामें अब तक 160 लोगों की जान गई तो करीब पचास हजार लोगों का विस्थापन हीउनकी सेवा है?अभी देश क्या दुनिया भर में कितना कुछ लिखा जाएगा न इसका कोई दायरा है न कोई जानता है और न ही बता सकता है।एक देश, एक कानून और समान नागरिक संहिता को लेकर सरकार की गंभीरता के बीच मणिपुर की घटना ने आहत करते हुए कई तरह के सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। सच में देश शर्मसार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

प्रतिभाशाली पति-पत्नी की अनोखी और अद्‌भुत जोड़ी

सुरेश तिवारी

ये हैं IAS सौम्या शर्मा और IPS अफसर अर्चित चांडक की सफलता की अद्भुत कहानी। दोनों बहुत प्रतिभाशाली और अपने काम के प्रति लगनशील हैं। अर्चित चांडक का विवाह सौम्या शर्मा से हुआ, जो IAS हैं और जिला परिषद नागपुर की ष्टश्वह्र हैं। दोनों लोगों में काफी लोकप्रिय है। सोशल मीडिया पर इनके फ़ॉलोअर्स की संख्या भी हजारों में है। दोनों ने यूपीएससी भी पहली बार में क्रेक की। पति-पत्नी दोनों एक ही बैच के हैं। फर्क इतना है कि एक IAS है दूसरा IPS

यूपीएससी परीक्षा में हर साल लाखों कैंडिडेट्स शामिल होते हैं। लेकिन, सभी को सफलता नहीं मिलती। लेकिन, अर्चित चांडक और सौम्या शर्मा की कहानी कुछ अलग। अर्चित चांडक आईआईटी दिल्ली के स्टूडेंट्स रहे और सौम्या शर्मा ने दिल्ली के नेशनल लॉ स्कूल से डिग्री ली।

अर्चित चांडक 2018 बैच के IPS हैं और उनकी पत्नी सौम्या शर्मा भी इसी बैच की महाराष्ट्र कैडर की IAS ऑफिसर। सोशल मीडिया पर इस जोड़ी की खूब चर्चा होती है। इस जोड़ी की फैन फॉलोइंग जबरदस्त रही। दोनों अपनी फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। उनकी एक-एक फोटो पर बड़ी संख्या में लाइक और कमेंट्स रहते हैं। ज्यादातर फॉलोवर्स अपना रिएक्शन देना नहीं भूलते। अर्चित चांडक को इंस्टाग्राम पर ही 80 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। उनकी हर पोस्ट को लोग पसंद करते हैं। वे अपनी नियमित गतिविधियों को सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं और काफी सक्रिय भी रहते हैं।

दिल्ली निवासी सौम्या जब 16 साल की थीं, तब उन्होंने सुनने की क्षमता खो दी। लेकिन, उन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ना जारी रखा। कानून में करियर बनाने के लिए नेशनल लॉ स्कूल में दाखिला लिया। इसके बाद 2017 में सौम्या ने यूपीएससी परीक्षा देने का फैसला किया। सौम्या ने परीक्षा में बहुत मेहनत की और बिना किसी ट्यूशन के अपने पहले ही प्रयास में इसे पास कर लिया। सिर्फ चार महीने की तैयारी के बाद उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा न सिर्फ पास की, बल्कि ऑल इंडिया 9वीं रैंक हासिल की। वे इस परीक्षा में टॉपर बनी और उनकी सफलता की कहानी लोगों के लिए मोटिवेशन बनी। सौम्या सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और इंस्टाग्राम पर ही उनके करीब ढाई लाख फॉलोवर्स हैं। सौम्या ने जब सुनने की क्षमता खोई तो वे इस सदमे से उबर नहीं पा रही थी। कुछ दिनों बाद उन्होंने इस सच्चाई को स्वीकारा और खुद को समझाया कि अब यही उनका सच है और उन्हें ऐसे ही जीवन काटना है।

इसके बाद से सौम्या हियरिंग ऐड की सहायता से सुनना शुरू किया। सौम्या ने जब यूपीएससी मेंस दी, उस समय उन्हें हाई वायरल फीवर था। उनकी तबियत इतनी खराब थी कि कभी 102 तो कभी 103 डिग्री तक बुखार आ जाता था। लेकिन, सौम्या पढ़ती रहीं और फिर परीक्षा देने भी गईं।

IPS अर्चित चांडक एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने कई लोगों को प्रेरित किया है। जब चांडक ने जब पहली बार 2018 में यूपीएससी की परीक्षा दी तो उन्होंने एआईआर 184 वीं रैंक हासिल की। उन्हें महाराष्ट्र कैडर मिला और पहली पोस्टिंग भुसावल के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में स्टेशन ऑफिसर नियुक्त किया गया। अब वे अपने गृहनगर नागपुर लौट आए और उन्हें डीसीपी नियुक्त किया गया है। उन्हें साइबर सेल और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) का नियंत्रण दिया गया। फ़िलहाल उनकी पोस्टिंग नांदेड़ में है।

आईआईटी-दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने वाले अर्चित चांडक का बचपन नागपुर के शंकर नगर में हुआ। उन्होंने आठवीं तक की पढाई भगवानदास पुरोहित विद्या मंदिर, सिविल लाइंस में की। वे वीरेंद्र चांडक और छाया चांडक की इकलौती संतान हैं। उनके माता-पिता एमआईडीसी हिंगना के नागपुर टेक्नो मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। 2012 में जेईई परीक्षा पास करने के बाद चांडक ने आईआईटी दिल्ली में दाखिला लिया और अच्छी रैंकिंग हासिल की। चांडक ने कॉलेज में रहते हुए सरकार के लिए काम करने और अपने देश की सेवा करने का विकल्प चुना।

चांडक जब कॉलेज में इंटर्न थे, उसी समय एक जापानी कंपनी ने उन्हें 35 लाख रुपए की नौकरी का ऑफर दिया। लेकिन, उन्होंने इस ऑफर को अस्वीकार कर दिया और यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी। आईआईटी की डिग्री लेने के बाद उन्होंने 2016 में अपनी तैयारी शुरू की। उन्होंने तैयारी के लिए पढ़ाई और समीक्षा के लिए अपने आपको व्यवस्थित किया। चांडक के अनुसार, यदि आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं, तो आप निराश हुए बिना सभी विषयों के बारे में आपकी सीखने की ललक बनी रहेगी। अर्चित को शतरंज खेलना बेहद पसंद है। उनकी स्नढ्ठश्च रेटिंग भी 1820 है। इसके अलावा उन्हें एक्सरसाइज करना भी अच्छा लगता है। उन्होंने 42 किलोमीटर की मुंबई मैराथन भी दौड़ी है।

रविवारीय गपशपः अब समझ आया ए टेल टोल्ड बाय एन इडियट का मतलब!

आनंद कुमार शर्मा

आज के जमाने में तो हर शासकीय संवर्ग का अपना संगठन है, जिसके सहारे उसे अपनी सेवा के दौरान आने वाली दुश्वारियों से निपटने का सहारा मिलता है। पर, पहले तो ज़िलों में पदस्थ संगी-साथी ही आपके सहारे हुआ करते थे। राजनांदगाँव में जब मुझे डोंगरगढ़ अनुविभाग का एसडीएम बनाया, तब मैं विभागीय रूप से ली जाने वाली राजस्व विषय की परीक्षा में पास नहीं था। इसका नतीज़ा ये था कि बतौर अनुविभागीय अधिकारी मैं मामले सुन तो सकता था, पर उस पर आदेश करने की मेरी अधिकारिता नहीं थी। मामलों को सुनकर मुझे किसी वरिष्ठ अधिकारी को भेजना होता था, जो मेरी रिपोर्टों के आधार पर फ़ैसले लिया करता था।

मेरे इस काम के लिए नियुक्त किए गए जीएस धनंजय साहब जो राजनांदगाँव ज़िले के एडीएम थे। धनंजय साहब वैसे तो बड़े सीनियर अधिकारी थे, पर मुझे अपने छोटे भाई की तरह स्नेह किया करते थे। बल्कि, मैं ये कहूं कि ज़िले में पदस्थ सभी वरिष्ठ अधिकारी मुझ जैसे प्रोबेशनर का ऐसा ही ध्यान रखते थे। ये रिवाज केवल अन्य अधिकारियों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि कलेक्टर भी उसमें शामिल थे। जब मेरा विवाह हुआ, मैं डोंगरगढ़ का ही एसडीएम था। शादी कर के आने के बाद डोंगरगढ़ के परिचित साथी बोले पार्टी देनी चाहिए ताकि परिवार में नए सदस्य के आगमन की सबको खबर हो और सबसे परिचय भी हो सके।

पार्टी की तारीख़ तय की गई। मैंने तय किया कि ज़िले में पदस्थ अपने बाक़ी साथियों को भी आमंत्रित करूं। ज़िले के सब डिवीज़न के वरिष्ठों को तो फ़ोन पर अनुरोध कर लिया, पर ज़िले के बाक़ी अधिकारियों को जब अनुरोध करने गया तो उनके रुख़ से लगा कि वे सब औपचारिक रूप से ही आने का वादा कर रहे हैं। एसपी साहब ने तो कह भी दिया कि आनंद तुमने पार्टी डोंगरगढ़ में रखी है, यदि राजनांदगाँव रखते तो ज़रूर आता। पर, डोंगरगढ़ तो देखना पड़ेगा, कोई और काम नहीं हुआ तो प्लान करेंगे। मैं बाक़ी लोगों से मिलकर कलेक्टर साहब के पास गया, तब हर्षमंदर जी कलेक्टर हुआ करते थे।

कलेक्टर साहब से मैंने कहा कि सर शादी करके लौटा हूं, आपको आमंत्रित करने आया हूँ। सुनकर वे बड़े प्रसन्न हुए और घंटी बजाई। बोले धनंजय को बुलाओ। एडीएम साहब आए तो कलेक्टर ने कहा 'आनंद शादी करके आए हैं, जो इनकी पार्टी की तिथि है। उस दिन राजस्व अधिकारियों और ज़िला अधिकारियों की बैठक डोंगरगढ़ में रख लो अपन सब चलेंगे, दिन में बैठक करेंगे और रात में पार्टी!' मेरी तो ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। जब मैं जाने लगा तो बोले 'सुनो ज़्यादा तामझाम मत करना, सादगी से ही पार्टी रखना।' पार्टी वाली तारीख को पूरे ज़िले के अधिकारी एसपी साहब समेत आशीर्वाद देने के लिए मौजूद थे।

धनंजय साहब हर शनिवार आते और मेरे प्रकरण देखकर उस पर अपनी स्वीकृति की मुहर लगाते। एक बार हम ज़िले में आए किसी मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम में साथ थे। क़ाफ़िला चल रहा था और हमारी जीप सबसे पीछे थी। किसी कार्यक्रम में जब भाषण चल रहा था, तो बातों बातों में मैंने धनंजय साहब से कहा कि सर मुझे एक बात समझ नहीं आती कि नरोना साहब ने अपनी किताब का ऐसा शीर्षक क्यों रखा 'ए टेल टोल्ड बाय एन इडियट।' धनंजय साहब कहने लगे अरे हम इडियट ही तो हैं। मैंने आश्चर्य से पूछा 'वो कैसे?' इस पर वे कहने लगे कि जो मंत्राणी जी भाषण दे रही हैं, ये हॉस्टल में हमारी वार्डन थीं। हम अपनी ज़रूरतों के लिए इनके आगे पीछे फ़िरा करते थे। हम पीएससी की तैयारी करा करते तो हमारा विशेष ध्यान रखतीं और कहा करती थीं कि भय्या आप लोग तो पढ़-लिख कर ज़रूर बड़े अफ़सर बनोगे! आज देखो उनकी बात तो सच निकली, पर हम अब भी उन्हीं के क़ाफ़िले की व्यवस्था देखने पीछे-पीछे फिर रहे हैं।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करता एमएसएमई वर्ग

अजय देवनानी

मध्यपदेश मे पर्यटन से लेकर विभिन्न व्यापार व्यवसाय ,उद्योग आदि की अपार संभावनाएं है. हाल ही मे इंदौर मे हुए प्रवासी भारतीय सम्मेलन एवम बिज़नेस मीट से प्रदेश के व्यापार जगत मे उल्लास का वातावरण है, कोविड काल में देश का एमएसएमई वर्ग सर्वाधिक प्रभावित रहा,ये वो वर्ग है जिसका देश की अर्थव्यवस्था मे विशिष्ट योगदान है साथ ही देश में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाल वर्ग है एमएसएमई वर्ग मैं व्यक्तिगत बीसीसीआई के साथ कैट,कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स,भोपाल उद्योग व्यापार मंडल का भी प्रतिनिधित्व करता हूं, इन सभी को व्यापारी हितों मैं शीघ्र नेशनल ट्रेड पालिसी के क्रियान्वयन की अपेक्षा है, इज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस एवम मेक इन इंडिया के संकल्प के साथ नेशनल ट्रेड पालिसी ही आत्मनिर्भर भारत के रोडमैप को पूर्ण करेगीन्यू मार्केट व्यापारी महासंघ के पूर्व सचिव के रूप में कार्य करते हुए कोविड के भीषण समय हम व्यापारी बंधुओ ने लॉक डाउन के कठिन समय न केवल कोविड प्रोटोकोल्स का पालन किया अपितु निशुल्क भोजन व्यवस्था,वैक्सीनशन कैम्प आदि के माध्यम से अपने सामाजिक संकल्पों को भी पूर्ण कियाआज व्यापारी पर विभिन्न विसंगतिपूर्ण करो का निर्धारण कर दिया गया है स्क्वायर फुट आधारितट्रेड लाइसेंस के साथ ओएमडी (टैक्स ऑन साइनऐज) आदि विसंगतिपूर्ण करो को व्यापारी वर्ग की वापस लिए जाने की मांग है,राजस्व बढ़ोत्तरी के नाम पर स्थानीय निकायों द्वारा विभिन्न कर,विभिन्न नियम व्यापारी बंधुओ पर थोपे जा रहे है

व्यापारी महापंचायत के माध्यम से इन विषयों के साथ विभिन्न व्यापारिक समस्याओं का भी शीघ्र निराकरण से मध्यप्रदेश के विकास को उचित गति प्राप्त होगीभोपाल के विकास के लिए हम सब सब युवा साथियो ने लेट्सब्रांड भोपाल अभियान भी प्रारंभ किया हुआ है,हमारी मांगो मैं से कुछ की घोषणा भी मा.मुख्यमंत्री जी ने की है

व्यापारियो को स्मार्ट सिटी,हाउसिंग बोर्ड, बीडीए की एडवाइजरी कमिटी मैं शामिल किया जाए एवम नगर निगम में भी एल्डरमेन पद प्रदान किया जाए,जिससे शहर की विभिन्न विकास योजनाओं को गति प्रदान हो सकें

शहर के रिटेल मार्केट्स मैं मल्टीलेवल पार्किंगस, पिंक पार्किंग, शी लाउंज,बेबी फीडिंग जोन,अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिफिकेशन आदि सुविधाओ से हो गो वोकल फ़ॉर फोकल का नारा चरितार्थ होगा

सर्वशक्तिमान को भी बैसाखियों की दरकार

तनवीर जाफ़री

2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों की शतरंजी बिसात बिछने लगी है सत्ता और विपक्ष दोनों ही अपने राजनैतिक समीकरण साधने में जुट चुके हैं। गत 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में 26 विपक्षी राजनैतिक दलों की उपस्थिति में ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. अर्थात (Indian National Developmental Inclusive Alliance) %भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन% का गठन किया गया । अब ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. यू पी ए का स्थान लेगा। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल आगामी लोकसभा चुनाव में जहाँ कमर तोड़ महंगाई, बढ़ती बेरोज़गारी, भातीय लोकतंत्र व संविधान पर मंडराते ख़तरे, भ्रष्टाचार,असफल विदेश नीति,अल्पसंख्यकों,दलितों व आदिवासियों पर बढ़ते हमले ,मणिपुर के हिंसक व शर्मसार करने वाले घटनाक्रम तथा भाजपा सरकार द्वारा केंद्रीय जाँच एजेंसियों के भारी दुरुपयोग जैसे अनेक मुद्दों को लेकर भाजपा के विरुद्ध लामबंद हुये हैं। उधर सत्ता पक्ष यानी भारतीय जनता पार्टी भी न केवल अपने बिछड़े व रूठे सहयोगी दलों व नेताओं को पुनः अपने खेमे में शामिल करने के प्रयास में जुट चुकी है बल्कि वह कुछ और नये सहयोगियों को भी अपने साथ शामिल करने की कोशिश में है। इसीलिये भाजपा ने भी गत 18 जुलाई को ही एन डी ए की बैठक बुलाई और दावा किया कि देश के %38 राजनैतिक दल% उनके साथ हैं। ग़ौरतलब है कि 2019 में 303 सीटें जीतने वाली भाजपा को गत पांच वर्षों तक एन डी ए की न तो बैठक बुलाने की ज़रुरत महसूस हुई थी न ही किसी साथ छोड़ने वाले दल या नेता को मनाने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी तक %एक अकेला सब पर भारी % के मुग़ालते में थे। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उसी दिन बेंगलुरु में %38% पर कटाक्ष करते हुये कहा कि उन्होंने अपने पांच दशक के अपने राजनैतिक जीवनकाल इन 38 में से अधिकांश दलों का तो नाम तक नहीं सुना।

दरअसल भाजपा यह अच्छी तरह समझ चुकी है कि 2024 में उसके लिये जीत हासिल कर पाना आसान नहीं क्योंकि उसे इस बार विगत दस वर्षों में पैदा हुई सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ेगा। इसीलिये भाजपा भी अपने कुंबे को बढ़ाने और रूठों को मानाने में जुट चुकी है। ख़ासतौर पर जबसे विपक्षी दलों ने भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ.) का गठन किया है तब से भाजपा न सिर्फ़ 26 दलों के गठबंधन से बल्कि उसके द्वारा रखे गये ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. नाम से भी बौखला उठी है। इसलिये भाजपा केवल अपने राजग परिवार में ही इज़ाफ़ा नहीं कर रही बल्कि कांग्रेस,शिव सेना,राष्ट्रवादी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आदि दलों में सेंध लगाकर इनमें तोड़ फोड़ कर भी स्वयं को सुदृढ़ करने की योजना पर काम कर रही है। नैतिकता,परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर भाषण पिलाने वाले इस तथाकथित %सांस्कृतिक राष्ट्रवादी दल% को अपने कुंबा विस्तार में ओम प्रकाश राजभर जैसे उन नेताओं को भी शामिल करना पड़ा है जो एन डी ए से अलग होने के बाद जनसभाओं में कहते फिरते थे कि -%दुनिया में झूठ बोलने वाला सबसे बड़ा नेता कोई है तो वह नरेंद्र मोदी है। उन्होंने (मोदी ने) कहा था सौगंध मुझे इस मिटटी की देश नहीं बिकने दूंगा। परन्तु उन्होंने रेलवे बेच दिया,बैंक बेच दिया,एल आई सी बेच दिया,बी एस एन एल बेच दिया,कोयले की खदान बेच दिया,हवाई जहाज़ बेच दिया,दो करोड़ लोगों को रोज़गार देने को कहा था,नहीं दिया। 15-15 लाख रुपया ग़रीबों के खाते में देने को कहा था नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी फिर आप के बीच में आएंगे तरह तरह की बातें करेंगे,इनसे सावधान रहने की ज़रुरत है।% परन्तु अब न जाने किस मुंह से यही भाषण देने वाले वही राजभर, भाजपा और मोदी के साथ खड़े होने जा रहे हैं?

इसी तरह जीतन राम मांझी ने तो ऐसा बयान दिया था कि यदि कांग्रेस या अन्य किसी ग़ैर एन डी ए दल के नेता ने दिया होता तो अब तक भाजपा व उसके संरक्षक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व विश्व हिन्दू परिषद के लोग राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ देते। जीतन राम मांझी ने कहा था कि-% भगवान श्रीराम ने माता शबरी के झूठे बेर खाए थे, लेकिन ऊंची जाति के लोग हमारा छुआ भी नहीं खाते हैं?% मांझी ने यह भी कहा था कि -%हम सिर्फ़ महर्षि बाल्मीकि को मानते हैं, पर राम को नहीं जानते%। मांझी ने तो यहां तक कह दिया था कि-%राम कोई भगवान थोड़े ही थे, वे तो तुलसीदास और बाल्मीकि रचित रामायण के पात्र थे%। इसके बाद ब्राह्मणों पर अत्यंत विवादित बयान देते हुए जीतन राम मांझी ने कहा था कि -%जो ब्राह्मण मांस खाते और शराब पीते हैं, झूठ बोलते हैं ऐसे ब्राह्मणों से दूर रहना चाहिए। ऐसे ब्राह्मणों से पूजा पाठ नहीं कराना चाहिए।% इसके साथ ही पूजा पाठ व पूजा अर्चना पर भी उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा था कि-% पूजा पाठ करने से कोई बड़ा नहीं होता। ऐसे में अनुसूचित जाति के लोगों को पूजा पाठ करना बंद कर देना चाहिए।% अब राम के नाम पर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा के वही जीतन राम मांझी खेवनहार बनने जा रहे हैं ? इसी तरह प्रधानमंत्री ने अजीत पवार को जिस दिन भ्रष्ट और घोटालेबाज़ बताया उसके चंद ही दिनों बाद महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में उन्हें व भ्रष्टाचार के आरोपी उनके कई सहयोगियों को मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि राजनीति में शर्म और नैतिकता नाम की कोई चीज़ अब बाक़ी ही नहीं रही।

वैसे तो 2024 में प्रस्तावित लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना जैसे देश के कई राज्यों में होने जा रहे विधानसभा के चुनाव परिणाम लोकसभा 2024 की पटकथा लिख देंगे। इसके पहले दिसंबर 2022 में हिमाचल प्रदेश और कुछ समय पूर्व ही कर्नाटक में हुये चुनाव परिणामों से भी जनता के मूड का कुछ अंदाज़ा तो हो ही गया है। इसीलिये भाजपा को सहयोगियों को साथ लेने की ज़रुरत महसूस हुई है। उधर सत्ता के सभी हथकंडों से मुक़ाबला करने के लिये लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के नाम पर नया विपक्षी गठबंधन यानी ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. का गठन तो फिर भी काफ़ी हद तक समय की ज़रुरत कही जा सकती है। परन्तु विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल का दावा करने वाली पार्टी और एक अकेला सब पर भारी की हुंकार भरने और 56 इंच का सीना बताने वाले प्रधानमंत्री की पार्टी भाजपा को जिसे इस समय लोक सभा में अकेले पूर्ण बहुमत भी हासिल हो, गोया % सर्वशक्तिमान % को भी %बैसाखियों की दरकार% होना यह ज़रूर दर्शाता है कि भाजपा के लिये 2024 की राहें किसी भी सूरत में आसान नहीं हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

भारत में चीनी मोबाइल कंपनियों ने की 9,000 करोड़ की कर चोरी, सरकार ने वसूले 1,629 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की मोबाइल फोन निर्माता कंपनियों ने सीमा शुल्क व जीएसटी के रूप में 9,000 करोड़ की कर चोरी की है। सरकार इसमें से 1,629 करोड़ की वसूली कर चुकी है। वर्ष 2017-18 से अब तक आंकड़ों के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक व सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यह जानकारी दी। चीनी मोबाइल कंपनियों की तरफ से भारत में निवेश, रोजगार और कर से जुड़े सवाल का लिखित जवाब देते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि ओप्पो ने सबसे ज्यादा 5,086 करोड़ की कर चोरी की है। इसमें 4,403 करोड़ सीमा शुल्क व 683 करोड़ जीएसटी के शामिल हैं। वीवो ने 2,923.25 करोड़, शाओमी ने 851.14 करोड़ रुपये की कर चोरी की।

चंद्रशेखर ने बताया कि ओप्पो की 4,389 के सीमा शुल्क की चोरी में से 1,214.83 करोड़ की वसूली की गई है। वहीं, वीवो से 168.25 करोड़ और शाओमी से 92.8 करोड़ वसूले गए। चीनी कंपनियों का 2021-22 में कुल टर्नओवर करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये रहा। इन कंपनियों ने 75,000 हजार लोगों को प्रत्यक्ष व 80,000 हजार को अप्रत्यक्ष रोजगार मुहैया कराया है।

22 देशों ने रुपये में व्यापार करने के लिए भारत में खोले विशेष बैंक खाते

सरकार ने शुक्रवार को संसद बताया कि 22 देशों के बैंकों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने के लिए भारतीय बैंकों में विशेष खाते खोले हैं। लोकसभा में एक लिखित जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री (विदेश मामले) राजकुमार रंजन सिंह ने यहां खाता खोलने वाले देशों की जानकारी दी।

वर्ष 2022-23 में पहली बार एक लाख करोड़ से ज्यादा का रक्षा उत्पादन

भारत में वर्ष 202-23 में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के रक्षा उपकरणों का उत्पादन किया गया। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन व निर्माण को प्रोत्साहित किया है। इसके लिए एमएसएमई व स्टार्टअप को मौका दिया जा रहा है। देश में रक्षा उपकरण निर्माण व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कारोबारी सुगमता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सिलेंस , प्रौद्योगिकी विकास कोष जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

देश में 22 फीसदी घटा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह

वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 22 फीसदी की गिरावट हुई। वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश ने बताया कि वैश्विक मंदी की आहट व रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में निवेश में कमी आई है। सिंगापुर, अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों की जीडीपी वृद्धि में गिरावट भी एक वजह हैं। 2022-23 में 70.79 अरब डॉलर एफडीआई के तौर पर आए, जबकि इससे पहले 2021-2022 में 84.84 अरब डॉलर का निवेश आया। हालांकि, 2022-23 के आंकड़े अभी अनंतिम हैं, जिनमें बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा, दुनियाभर के ज्यादातर देश महामारी के बाद घरेलू उद्योगों के लिए संरक्षणवादी उपाय कर रहे हैं।

राणा दग्गुबाती ने कॉमिक कॉन यूएसए में 'लॉर्ड्स ऑफ डेक्कन' की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव ने राणा दग्गुबाती के स्प्रिट मीडिया के साथ मिलकर, अपने नए तेलुगु ओरिजनल 'लॉर्ड्स ऑफ डेक्कन' की घोषणा की। यह एक ऐतिहासिक ऐक्शन-ड्रामा सीरीज है। राणा दग्गुबाती ने कॉमिक कॉन यूएसए में इसकी घोषणा की। यह सीरीज अनिरुद्ध कनिसेट्टी द्वारा लिखी गई भारतीय बेस्टसेलर, 'लॉर्ड्स ऑफ द डेक्कन-साउदर्न इंडिया फ्रॉम चालुक्याज टू चोलास' का रूपांतरण है। सीरीज हमें चालुक्यों के उदय के दौर में लेकर जाती है। इस राजवंश ने सदियों तक दक्षिण भारत को एक आकार दिया था। इस घोषणा पर सौगता मुखर्जी, हेड कंटेंट, सोनी लिव का कहना है, सोनीलिव, बेहतरीन भारतीय कहानियों को पूरी दुनिया के दर्शकों तक ले जाना चाहता है। इस क्रम में, हमने दक्षिण भारत के गौरवशाली राजवंशों के इतिहास का दिलचस्प सफर शुरू किया है। इसके लिए हमने अनिरुद्ध कनिसेट्टी की चर्चित किताब 'लॉर्ड्स ऑफ द डेक्कन' का रूपांतरण किया है। इस सफर में राणा दग्गुबाती के साथ साझेदारी करते हुए हम बेहद खुश हैं। हम एक साथ मिलकर, अनकहे इतिहासों- गौरवशाली राजवंशों, राजसी धरती, बहादुर राजाओं और उनके कई सारे युद्धों की कहानी को दुनियाभर के दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'लॉर्ड्स ऑफ डेक्कन' इस लेखक की पहली किताब है और 2022 में यह सबसे चर्चित इतिहास की पुस्तकों में से एक थी। इतना ही नहीं, इस किताब को मुंबई में आयोजित लिटरेचर फेस्टिवल में बुक ऑफ द ईयर (नॉन-फिक्शन) पुरस्कार भी दिया गया था।

डिज़्नी+ हॉटस्टार स्वागत करता है मार्वल स्टूडियोज़ के गार्डियंस ऑफ़ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 का

मुंबई, एजेंसी। डिज़्नी+ हॉटस्टार ने घोषणा की है कि मार्वल स्टूडियोज़ का गार्डियंस ऑफ़ गैलेक्सी वॉल्यूम 3, 2 अगस्त से डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होना शुरू होगा। इसलिए इंग्लिश, हिन्दी, तमिल, तेलुगु, और मलयालम में स्ट्रीमिंग शुरू होने के साथ अपने पसंदीदा हीरोज़ का स्वागत करने की तैयारी कर लीजिए। मार्वल स्टूडियोज़ के गार्डियंस ऑफ़ गैलेक्सी वॉल्यूम 3 में हीरोज़ का दल नोव्हेयर में नयी ज़िंदगी में ढल रहा है। लेकिन जल्द ही रॉकेट के अशांत अतीत की गूंज उनके जीवन में उथल-पुथल मचाने वाली है। पीटर क्विल गामोरा के नुकसान से उबर नहीं पाया है, पर उसे अपनी टीम को अपने साथ रॉकेट का जीवन बचाने के खतरनाक मिशन पर लामबंद करना होगा। यह ऐसा मिशन है, जो अगर सफल नहीं हुआ तो गार्जियंस का अंत हो सकता है। इस फ़िल्म में क्रिस प्रैट, जो सलडाना, डेव बौटिस्टा, करेन गिल्लन, पॉम क्लीमेंटिफ मुख्य भूमिकाओं में हैं। विन डीजल ग्रूट और ब्रैडली कूपर रॉकेट के किरदार में हैं। सीन गन, चुकवुडी इवूजी, विल पोल्टर और मारिया बकलोवा भी इसमें मुख्य भूमिकाएँ निभा रहे हैं। फ़िल्म का स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन जेम्स गन का है। केविन फ़ेज फ़िल्म के निर्माता और लुईस डे'एस्पोज़िटो, विक्टोरिया अलोंसो, निकोलस कोर्डा, सारा स्मिथ, और सिमोन हैट एक्ज़ीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

अमेजन प्राइम डे 2023 बना भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट

मुंबई, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने घोषणा की है कि प्राइम डे का 7वां संस्करण अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट साबित हुआ है। 15-16 जुलाई को प्राइम डे 2023 ने प्राइम मैंबर्स को शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉक बस्टर मनोरंजन के माध्यम से इस मौके का भरपूर आनंद उठाने में मदद की है। इस प्राइम डे पर हजारों विक्रेता, ब्रांड और बैंक भागीदार प्राइम मैंबर्स को लगभग 300 करोड़ रुपये की बड़ी बचत की पेशकश करने के लिए एक साथ आए थे। प्राइम मैंबर्स ने इस प्राइम डे पर सबसे तेज़ डिलीवरी का आनंद लिया। इस दौरान ग्राहकों को एक ही दिन में सबसे अधिक डिलीवरी प्राप्त हुई। महानगरों में 3 में से 1 ऑर्डर प्राइम डे खत्म होने से पहले डिलीवर किया गया था, और अधिकांश टियर 1 और 2 शहरों में 2 में से 1 ऑर्डर दो दिनों से भी कम समय में डिलीवर किया गया था। इस प्राइम डे इवेंट में प्राइम मैंबरशिप में जोरदार वृद्धि देखी गई और पिछले साल के प्राइम डे इवेंट की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक सदस्यों ने खरीदारी की। शॉपिंग इवेंट की सफलता के बारे में बात करते हुए, अक्षय साही, डायरेक्टर, प्राइम एवं डिलीवरी एक्सपीरियंस, अमेजन इंडिया, ने कहा, मैं अपने विक्रेताओं, ब्रांड भागीदारों और प्राइम सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस प्राइम डे को भारत में अब तक का सबसे बड़ा इवेंट बनाने में मदद की। सभी श्रेणियों के ब्रांडों और विक्रेताओं को पूरे भारत के महानगरों और टियर 2 और 3 शहरों और कस्बों के प्राइम मैंबर्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। इस प्राइम डे पर सबसे बड़े प्रोडक्ट और ब्रांड लॉन्च, साल की सबसे बड़ी डील के साथ, हमने पिछले प्राइम डे इवेंट की तुलना में एक ही दिन में सबसे ज्यादा डिलीवरी भी की है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2023 में तीनों ब्रैंड्स - बीएमडब्ल्यू मिनी और बीएमडब्ल्यू मोटोराड - के लिए अपना अभी तक का सर्वश्रेष्ठ अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून माह का प्रदर्शन किया है। पहले 6 महीने में 5867 कारों (बीएमडब्ल्यू और मिनी) तथा 4667 मोटरसाइकलों (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) की बिक्री हुई है। बीएमडब्ल्यू की 5476 यूनिट्स और मिनी की 391 यूनिट्स बिकीं। विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, ग्राहक हमारे सभी कार्यों के केन्द्र में होते हैं। बीएमडब्ल्यूग्रुप इंडिया श्रेणी में अग्रणी आराम, कार्यप्रदर्शन तथा सुन्दरता के साथ लग्जरी को पुनर्परिभाषित कर रहा है। अभी तक के उच्चतम अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून की उपलब्धि कंपनी के महत्वपूर्ण कदमों का परिणाम है। चाहे शीयर ड्राइविंग के आनंद का आकर्षण हो या सस्टेनेबल मोबिलिटी हो, इस साल लॉन्च किया गया प्रत्येक उत्पाद बेहद आकर्षण और जबर्दस्त माँग में है। सबसे बढ़कर, हमारे ब्रैंड्स का अत्यन्त भावनात्मक, डिजिटल अनुभव हमें सबसे अलग करता है। जॉय टाउन और द हाउस ऑफफॉर्वर्डिज्म जैसे विशिष्ट अनुभवों ने मौजूदा ग्राहकों के साथ हमारे संबंध को मजबूत किया है और नए ग्राहकों को हमारे करीब लाया है। हमें इस उपलब्धि पर खुशी है और हम भावी सफलता की बुनियाद मजबूत करते रहेंगे।

शाह के नेतृत्व में 1 लाख 44 हजार किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों को किया गया नष्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को ड्रग्स तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। शाह की अध्यक्षता में सम्मेलन के दौरान सभी राज्यों के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के समन्वय से एनसीबी द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में 1 लाख 44 हजार किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया, जो एक दिन में अब तक का सर्वाधिक ड्रग्स नष्ट करने का रिकॉर्ड है। पिछले एक साल में 10 लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 12,000 करोड़ रुपये है। वैश्विक स्तर पर भारत को नई पहचान दिलाने वाले शाह का स्पष्ट मानना है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, जिससे निपटने के लिए केंद्र और राज्य के बीच समन्वय जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में जुटे अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। इसके परिणामस्वरूप 2013 के बाद से दोगुने से अधिक मात्रा में ड्रग्स को जब्त किया जा चुका है। पिछले 9 साल में जहाँ एनसीबी द्वारा जब्त की गई ड्रग्स की संख्या में लगभग 100त्न की वृद्धि हुई है, वहीं ड्रग तस्करों के खिलाफ 181त्न अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और तस्करों की गिरफ्तारी में 296त्न की बढ़ोतरी हुई है। नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल (एनकॉर्ड) की स्थापना की, वहीं दूसरी तरफ हर राज्य के पुलिस विभाग में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाया। भारतीय राजनीति को नए सिरे से परिभाषित करने वाले शाह के कुशल मार्गदर्शन में खुफिया एजेंसियों द्वारा सभी वित्तीय दस्तावेजों का अलग-अलग विश्लेषण करने के

चिकित्सा खर्च कम करें, वित्तीय आदतें विकसित करें और स्वास्थ्य के लिए एक बजट का निर्धारण करें: असीत रथ

मुंबई, एजेंसी। महामारी ने हमें कई महत्वपूर्ण सबक दिए, जिनमें से सबसे बड़ा सबक यह है कि ''स्वास्थ्य'' हमारी सबसे बहुमूल्य संपत्ति है। जहाँ बीमा एक अहम स्थान रखता है, वहीं यह भी उतना ही जरूरी है कि हमारे दृष्टिकोण को सुरक्षा से रोकथाम की ओर ले जाया जाए। जिम्मेदार आदतों को अपनाने से न केवल बीमार पड़ने की संभावना घटेगी, बल्कि चिकित्सा में लगने वाली भारी खर्च में भी कमी आएगी। अवीवा इंडिया के सीईओ एवं एमडी, असीत रथ एक स्वस्थ भविष्य के लिए पाँच सेहतमंद आदतों के बारे में बता रहे हैं। असीत रथ, सीईओ एवं एमडी, अवीवा इंडिया ने कहा, ''केवल बीमा कवरेज पर निर्भर रहने ही बजाय हमें अपनी सेहत व स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पाँच सेहतमंद आदतों को अपनाना चाहिए। सबसे पहले तो जिम्मेदार वित्तीय आदतें विकसित करें और स्वास्थ्य के लिए एक बजट का निर्धारण कर अनुशासन से उसका पालन करें। अनावश्यक उपभोक्ता सामानों पर खर्च करने से बचें और अपनी आय का कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा भविष्य के लिए बचाएं। याद रखें कि 15 से 20 साल के लंबे समय में हर माह नियमित तौर की गई छोटी-छोटी बचत सालों बाद की गई बड़ी बचत के मुकाबले बेहतर होती है। यह आदत अपनाकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमताएं बढ़ती हैं, और मानसिक सेहत में सुधार होता है।'' रथ ने आगे कहा, ''स्वस्थ आहार प्रिवेंटिव हैल्थकेयर का एक महत्वपूर्ण तत्व है। विभिन्न अध्ययनों ने खराब आहार की आदतों और बीमारियों के बीच सीधा संबंध स्थापित किया है। उदाहरण के लिए ज्यादा सैचुरेटेड और ट्रांस फैट युक्त आहार से हृदय रोग का जोखिम बढ़ता है, जबकि बहुत ज्यादा मात्रा में शुगर लेने से डायबिटीज़ को सकती है। इसके विपरीत, फल और सब्जियाँ ज्यादा खाने से विशेष तरह के कैंसर होने का जोखिम कमहोता है। अपने शरीर को संपूर्ण आहार व पोषण देकर आप स्वास्थ्य की समस्याओं के खिलाफ एक मजबूतप्रतिरक्षा प्रणाली बना सकते हैं।''

ईको रीसाइक्लिंग ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम तिमाही के कंसोलिडेटेड परिणामों की घोषणा की

कुल आय 79.30 मिलियन हुई, कर बाद लाभ 47.10 मिलियन हुआ

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रथम और प्रमुख प्रोफेशनल ई-वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी, इको रीसाइकलिंग लिमिटेड ने आज 30 जून, 2023 को समाप्त हुई तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर,श्री बी. के. सोनी ने कहा,हमने हमारी कुल आय में 61त्न और शुद्ध लाभ में 71 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अति सकारात्मक नोट से वित्त वर्ष 24 की शुरुआत कीहै। रीसाइक्लिंग का महत्व बढ़ रहा है और हम टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में ले जाने में उद्योगों की मदद कर रहे हैं।

क्रोमा के उत्पादों पर पाइए भारी छूट

मुंबई, एजेंसी। क्रोमा ने अपने ग्राहकों के साथ बारिश के आगमन का जश्न मनाने के लिए मानसून अभियान - गुड लाइफ फेस्ट शुरू किया है। घरेलू उपकरणों की विशाल रेन्ज पर आकर्षक ऑफ़र और छूट देकर मानसून के मौसम को सभी के लिए आरामदायक और आनंददायक बनाना इस कैम्पेन का उद्देश्य है। सेल में वॉशिंग मशीन, वॉटर प्यूरीफायर, एयर फ्रायर, ओटीजी, माइक्रोवेव, केटल और कई अन्य घरेलू उपकरणों पर 50त्न तक की भारी छूट मिल रही है। आपकी रोज़ाना ज़िन्दगी को आसान और अधिक आरामदायक बनाने वाले गैजेट खरीदें और मानसून का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हो जाएं। क्रोमा ने अपने गुड लाइफ फेस्ट में उन घरेलू उपकरणों को शामिल किया है।

जो मानसून के लिए जरूरी है या जिन्हें अपग्रेड करना आवश्यक हैं।

कभी भी होने वाली बारिश और हवा में नमी बढ़ने के कारण कपड़े सुखाना एक मुश्किल काम हो जाता है। पारंपरिक तरीकों से कपड़े सुखाने पर कपड़े गीले, बदबूदार रह जाते हैं, उनमें मोल्ड बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कपड़े ख़राब हो जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए क्रोमा के गुड लाइफ फेस्ट ने वॉशर-ड्रायर को 12 महीनों के लिए मात्र 2071 रुपये प्रति माह पर उपलब्ध कराया है। इससे ग्राहकों को एक ही उपकरण में अपने कपड़े धोने और सुखाने की सुविधा मिल सकती है।

तूफान मचाने को तैयार है नेट वेब टेक्नोलॉजीज आईपीओ, 75 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्टिंग!

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वर बनाने वाली कंपनी नेट वेब टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर दांव लगाने वाले निवेशकों को अब लिस्टिंग का इंतजार है। उम्मीद है कि लिस्टिंग के दिन ही इस आईपीओ से निवेशकों को बंपर मुनाफा होगा। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ की धमाकेदार प्रीमियम है। आइए जान लेते हैं कि ग्रे मार्केट प्रीमियम कितना है और कितने रुपये पर लिस्टिंग हो सकती है। नेटवेब टेक्नोलॉजीज आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) आज यानी शनिवार को 360 है, जो कि इसके शुक्रवार के जीएमपी 380 से 20 कम है। हालांकि, शेयर बाजार के जानकारों की मानें तो बाजार में बड़ी गिरावट के बावजूद जीएमपी में मामूली कमी बताता है कि आईपीओ सही दिशा में है। जीएमपी के हिसाब से देखें तो नेटवेब टेक्नोलॉजीज आईपीओ की लिस्टिंग कीमत 860 (500 + 360) के आसपास होने की उम्मीद है। इस तरह आईपीओ की लिस्टिंग 75 प्रतिशत प्रीमियम पर संभव है। हालांकि, शेयर बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि किसी को ग्रे मार्केट भावनाओं पर ज्यादा भरोसा नहीं करना चाहिए। इसके बावजूद यह उम्मीद जगाने वाला है। आईपीओ की डिटेल- बता दें कि आईपीओ के तहत 206 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसमें 85 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस 475 से 500 रुपये प्रति शेयर है। नेट वेब टेक्नोलॉजीज ने एंकर निवेशकों से 189 करोड़ रुपये जुटाए थे।

शॉप्सी ने अपने प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया सुपरक्वाइन

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे तेजी से वृद्धि कर रहे हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शॉप्सी ने अपने प्लेटफॉर्म पर सुपरक्वाइन रिवॉर्ड प्रोग्राम लॉन्च किया है ग्राहक अब शॉप्सी फ्लिपकार्ट मिंत्रा और क्लियरट्रिप पर सुपरक्वाइन पा सकते हैं और उन्हें रिडीम भी कर सकते हैं शॉप्सी की कोशिश इस कार्यक्रम के माध्यम से देश भर में रहने वाले लाखों नए ग्राहकों को अपने साथ जोड़ने और उन्हें बनाए रखने की है फ्लिपकार्ट द्वारा तैयार किए गए इन अनोखे रिवॉर्ड ईकोसिस्टम को ग्राहकों को लाभ देने के लिए डिजाइन किया गया है जहां उपयोगकर्ता हर 100 रुपये खर्च करने पर 1 सुपरक्वाइन पा सकते हैं रिडीम करते समय हर सुपरक्वाइन की कीमत 1 रुपये होगी और इन्हें अगले ऑर्डर्स के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह किफायत चाहने वाले ग्राहकों को हर खरीदारी पर ज्यादा बचत करने का मौका मिलेगा। शॉप्सी पर सुपरक्वाइन लॉन्च होने के बारे में कपिल थिरानी प्रमुख शॉप्सी फ्लिपकार्ट ने कहा शॉप्सी में हम सबसे ज्यादा महत्व अपने ग्राहकों को लाभ पहुंचाने को देते हैं और मुझे शॉप्सी प्लेटफॉर्म पर सुपरक्वाइन लॉन्च करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस रिवॉर्ड प्रोग्राम को पूरे फ्लिपकार्ट ईकोसिस्टम में ग्राहकों ने काफी पसंद किया है। ग्राहकों को रिवॉर्ड प्रोग्राम के फायदों का आनंद लेने और इन्हें रिडीम करने का मौका देने के अलावा, यह प्रोग्राम हमें ग्राहकों के साथ मजबूत और गहरे संबंध बनाने में भी मदद करेगा, ताकि वे हमारे साथ जुडेक रहें। यह प्रोग्राम शॉप्सी पर खरीदारी करने वाले ग्राहकों तक लाभ पहुंचाने के हमारे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। सुपरक्वाइन को शॉप्सी, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा और क्लियरट्रिप पर इस्तेमाल किया जा सकता है। ग्राहकों को अपने रजिस्टर्ड फ्लिपकार्ट नंबर से साइन इन करना होगा और वे अपने खाते को जोड़कर अपनी पसंद के प्लेटफॉर्म पर अपना सुपरक्वाइन बैलेंस देख सकते हैं और उसे इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

ग्राहक नीचे बताए गए चरणों का पालन करके शॉप्सी पर अपने सुपरक्वाइन रिडीम कर सकते हैंरू पहला चरणरू वह प्रोडक्ट चुनें जिसे वह खरीदना चाहते हैं और उसे कार्ट में जोड़ें, दूसरा चरणरू चेकआउट पर जाएं और टॉगल बटन का इस्तेमाल करके सही सुपरक्वाइन चुनें, तीसरा चरणरू भुगतान करने के पेज पर जाएं और कैश ऑन डिलीवरीध्भुगतान का मनचाहा मोड सुपरक्वाइन इस्तेमाल करके ऑर्डर करें, चौथा चरणरू ऑर्डर करने के बाद और सुपरक्वाइन पाएं और आनंद लें!

सुपरक्वाइन के बारे में ज्यादा जानने और मल्टी-ब्रैंड रिवॉर्ड ईकोसिस्टम के माध्यम से रिडीम करने के लिए जरूरी चरणों को समझने के लिए सुपरक्वाइन एफएक्यू पेज पर जाएं

अमेरिका में तिरंगे की धूम, यूनिकॉर्न बनाने वालों में सबसे ज्यादा भारतीय, चीन छूट गया बहुत पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया में भारत और भारतवंशियों का डंका बज रहा है। दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के शीर्ष पदों पर भारतीय या भारतवंशी बैठे हैं। अमेरिका में सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न कंपनियों की स्थापना ऐसे लोगों ने की है जो भारत में पैदा हुआ हैं। यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है जिनका वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से ज्यादा होता है। अमेरिका में जितनी यूनिकॉर्न कंपनियां हैं, उनमें से 44 प्रतिशत ऐसी हैं जिनके फाउंडर का जन्म अमेरिका से बाहर हुआ है। 56 परसेंट कंपनियां ऐसी हैं जिनके फाउंडर अमेरिका में ही पैदा हुए हैं। अमेरिका की यूनिकॉर्न कंपनियों के सबसे ज्यादा फाउंडर भारत के हैं। अमेरिका की यूनिकॉर्न कंपनियों में से 90 के फाउंडर्स का ताल्लुक भारत से है। यानी वे भारत में जन्मे हैं। इस लिस्ट में दूसरा नंबर इजरायल का है। इस देश में जन्मे 62 लोगों ने अमेरिका में यूनिकॉर्न कंपनी खड़ी की है। अमेरिका का पड़ोसी देश कनाडा तीसरे नंबर पर है। कनाडा में जन्मे 52 लोगों ने अमेरिका में यूनिकॉर्न कंपनी बनाई है। इसी तरह ब्रिटेन में पैदा हुए 31 लोगों ने अमेरिका आकर यूनिकॉर्न कंपनी बनाई है। इस लिस्ट में चीन पांचवें नंबर पर है। चीन में पैदा हुए 27 लोगों ने अमेरिका में यूनिकॉर्न कंपनियां बनाई हैं। इसी तरह अमेरिका की यूनिकॉर्न कंपनियों के फाउंडर्स में से 18 जर्मनी में, 17 फ्रांस में 14 रूस में, 12 ताइवान में और 12 यूक्रेन में जन्मे हैं।

आम के लिए दीवानगी: बेवरेज और डेज़र्ट्स के साथ आमों से सदाबहार प्यार

मुंबई, एजेंसी। आम निर्विवाद रूप से फलों का राजा है। आमों के लिये हर पीढ़ी में जबर्दस्त उत्साह रहता है और इनका उत्तम स्वाद सभी को बेहद पसंद है। आम सभी को इतना पसंद है कि भारत में गर्मियों के मौसम को प्यार से आम का मौसम'' कहा जाता है। भारत में इस प्यार की कोई सीमा नहीं है और आम भारत की समृद्ध संस्कृति और खाद्य की धरोहर में रचे-बसे हैं।

आमों की टोकरी जादुई तरीके से भारतीय परिवारों को परस्पर जोड़ती है, बातचीत बढ़ाती है और उनके बीच रिश्तों को गहरा बनाती है। चाहे परिवार के साथ आम की खरीदारी के लिये जाना हो या अपने ही पेड़ से अपने बच्चों के साथ मिलकर आम तोड़ना हो, फलों के राजा ने बड़ी खूबसूरती से पीढ़ियों और संस्कृतियों को एकजुट किया है। बाजार में किसी अजनबी के साथ मिठास से भरे अंदाज में इस ट्रॉपिकल खजाने को साझा करना हो या स्थानीय व्यापारी द्वारा आम के लिये आपका प्यार देखकर आपके बास्केट में एक आम ज्यादा डाल देने की उदारता हो, ऐसी घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि जीवन के सबसे मधुर पल अक्सर छोटी-छोटी खुशियों से ही बनते हैं। भारत में आम की विरासत इसका एक प्रमुख उत्पादक होने से कहीं बढ़कर है। दुनिया में आम के अग्रणी उत्पादकों में से एक के तौर पर, भारत में आमों की कई सारी किस्में पाई जाती हैं। इनमें तोतापरी, अल्फोंसो, लंगड़ा, दशहरी, आदि जैसी किस्में शामिल हैं, जो आम से प्यार करने वालों की एक बड़ी तादाद को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। आमों के प्रति यह साझा प्रेम जन-साधारण की भाषा बन चुका है, जिसने अजनबियों को दोस्त और एकजुटता से भरे समुदायों में बदल दिया है।

अजय कोनाले, डायरेक्टर-मार्केटिंग, न्यूट्रीशन कैटेगरी, कोका-कोला इंडिया ऐंड साउथवेस्ट एशिया ने बेवरेजेज और डेज़र्ट्स के साथ आमों के लिये सदाबहार प्यार पर अपने विचार रखे हैं। बीते वर्षों में आम एक मनपसंद फल होने से लेकर बेवरेज की जीवंत दुनिया तक का एक महत्वपूर्ण घटक बन गये हैं। आमों को हमेशा उनके ललचाने वाले और समृद्ध स्वाद के लिये संजोया गया है।

अल्ट्राटेक सीमेंट को 1688 करोड़ रुपये का तिमाही मुनाफा, 17737 करोड़ रहा रेवेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। अल्ट्राटेक सीमेंट को जून तिमाही में 1688 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुाफा 7 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में अल्ट्राटेक सीमेंट का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 1584 करोड़ रुपये था।

कार्यालय नगर परिषद चांद, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

दुर्गा चौक वार्ड क्रं. 06 तारण तरण वार्ड,480110, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)
फोन नं. 07166272263-CmoChand@mpurban.gov.in

//ई- निविदा आमंत्रण सूचना// दिनांक 21/07/2023

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित कि जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य कि समयावधि एवं लागत	निविदा फार्म का का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
[1]	[2]	[3]	[4]	[5]	[6]
१.	2022_UAD_283864_2 दिनांक 21/07/2023	वर्ष 2023-24 अवधि हेतु जे.सी.बी मशीन किराये से (डीजल ड्रायवर हेल्पर सहित) की दरें आंमत्रित किये जाने हेतु	1-वर्ष 2023-24 अवधि हेतु 2- 5,00,000/-	1. 2000.00 2. 5000.00	07/08/2023

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:// www.mptenders.gov.in कि वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चांद

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती तथा क्रांतिकारी जतिंद्र मोहन सेनगुप्ता की पुण्यतिथि पर पीसीसी में कार्यक्रम

भोपाल। संस्कृतिक और धार्मिक त्यौहार गणेश उत्सव के माध्यम से देशवासियों के दिल में देशप्रेम, स्वाधीनता की भावना जगाने बाले महान देशभक्त लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं देश की आजादी के प्रणेता, महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती और क्रांतिकारी जतिंद्र मोहन सेनगुप्ता, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. बिसाहू दास महंत की पुण्य तिथि पर रविवार 23 जुलाई 2023 को दोपहर 12 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में कांग्रेसजनों द्वारा इन महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता और कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण ने बताया कि रविवार को सुबह 10.30 बजे प्रतिमा स्थल ग्यारह सौ क्वाटर्स चौराहा हनुमान मंदिर के पास स्थित लोक मान्य बाल गंगा धर तिलक, 10.45, बजे प्रतिमा स्थल गीतांजलि चौराहा, 11 बजे प्रतिमा स्थल मेजर नानके पेट्रोल पंप, और 11.30 प्रतिमा स्थल आज़ाद मार्केट मंगल वारा चौराहा पर कार्यक्रम आयोजित हुए।

कला समय संस्था की ओर से राज्य संग्रहालय में आयोजित संस्कृत पर्व- 6 समारोह में संगीत कला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली विभिन्न विभूतियों को शिखर सम्मान से विभूषित किया गया इस अवसर पर वयोवृद्ध इतिहासकार डॉक्टर शंभू दयाल गुरु को काला समय राष्ट्र आराधना सम्मान और दमोह के सुप्रसिद्ध छायाकार श्री मनोहर काजल को कला समय प्रतिबिंब शिखर सम्मान से सम्मानित करते हुए नगर के सुप्रसिद्ध वयोवृद्ध छायाकार श्री जगदीश कौशल एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रभु दयाल मिश्र

संस्था परपीड़ा हरने भोपाल से दूर बसे गांवों के स्कूल में रेनकोट बांटे

भोपाल। तीन चार गाँव से शास. प्राथ.और माध्य. शाला डोबरा जागिर से पैदल पढ़ने आने वाले इन लगभग 70 गरीब बच्चों को बारिश में भीगने से बचाने हेतु संस्था परपीड़ा हर द्वारा रेनकोट बांटे गये। गरीब बस्तियों में बने इन स्कूल में जाने के लिए सदस्यों को लगभग आधा किलोमीटर दूर गाड़ी छोड़कर पैदल पहुंचना पड़ा। रेनकोट प्राप्त करके बच्चों के चेहरे पर जो मुस्कान थी उसके साथ ही हमें भी महसूस हुआ कि सही जगह हमने सही पात्रों को इनकी सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर श्री राधे श्याम साबू श्री भट्ट जी, श्री आर सी श्री वास्तव और वल्लभ डोंगरे उपस्थित थे।

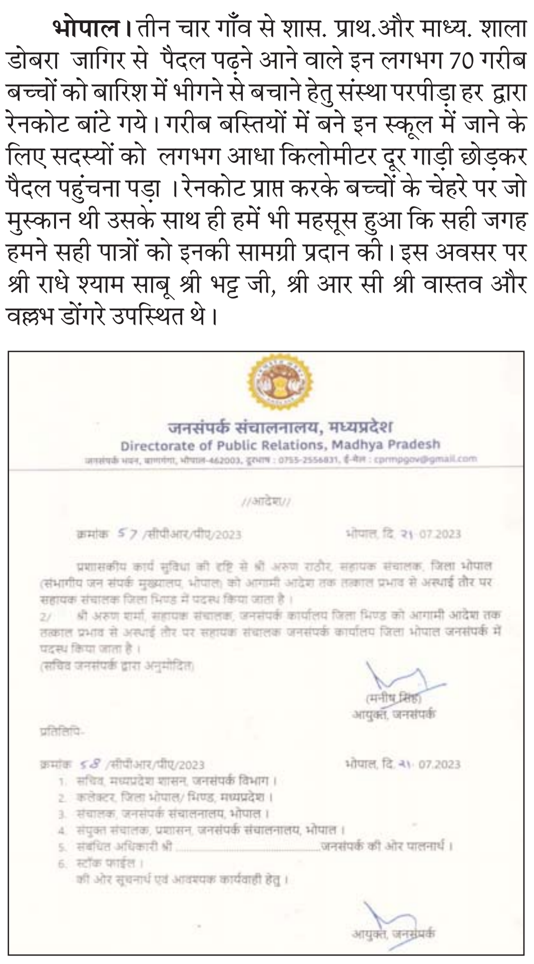

जनसंपर्क संचालनालय, मध्यप्रदेश
Directorate of Public Relations, Madhya Pradesh
जनसंपर्क भवन, बाणगंगा, भोपाल-462003, दूरभाष : 0755-2556831, ई-मेल : cprmpgov@gmail.com

//आदेश//

क्रमांक 57 /सीपीआर/पीए/2023 भोपाल, दि. २१ 07.2023

प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से श्री अरुण राठौर, सहायक संचालक, जिला भोपाल (संभागीय जन संपर्क मुख्यालय, भोपाल) को आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से अस्थाई तौर पर सहायक संचालक जिला भिण्ड में पदस्थ किया जाता है।

2/ श्री अरुण शर्मा, सहायक संचालक, जनसंपर्क कार्यालय जिला भिण्ड को आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से अस्थाई तौर पर सहायक संचालक जनसंपर्क कार्यालय जिला भोपाल जनसंपर्क में पदस्थ किया जाता है।

(सचिव जनसंपर्क द्वारा अनुमोदित)

(मनीष सिंह)
आयुक्त, जनसंपर्क

प्रतिलिपि-

क्रमांक 58 /सीपीआर/पीए/2023 भोपाल, दि. २१ 07.2023

1. सचिव, मध्यप्रदेश शासन, जनसंपर्क विभाग।
2. कलेक्टर, जिला भोपाल/ भिण्ड, मध्यप्रदेश।
3. संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल।
4. संयुक्त संचालक, प्रशासन, जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल।
5. संबंधित अधिकारी श्री .... जनसंपर्क की ओर पालनार्थ।
6. स्टॉक फाईल।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

आयुक्त, जनसंपर्क

मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार लौटाएगी सहारा कंपनी में निवेश करने वालों का पैसा

भोपाल। सहारा इंडिया में निवेश करने वालों का फंसा हुआ पैसा मिलेगा। इसके लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'सहारा रिफंड पोर्टल' लॉन्च किया है। इस पोर्टल के जरिए सहारा के उन निवेशकों के पैसे वापस दिए जाएंगे, जिनके निवेश की अवधि यानी समय सीमा पूरी हो चुकी है। खास बात यह है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार भी सहारा में निवेश करने वालों का पैसा लौटाएगी।

एमपी में 7500 से अधिक एजेंटो ने कराया 250 करोड़ का निवेश- बता दें कि मध्य प्रदेश में करीब 250 करोड़ रुपए का निवेश सहारा इंडिया में हुआ था। 7 हजार 500 से अधिक एजेंटो के माध्यम से प्रदेश के लाखों लोगों ने अपना निवेश कराया था। ऐसे में शिवराज सरकार ने भी यह पैसा लौटाने का फैसला किया है। जिससे सहारा कंपनी में निवेश करने के बाद कई सालों के बाद निवेशकों को उनका पैसा वापस मिलेगा।

SAHARA
INDIA PARIWAR

शिवराज सरकार ने जारी किए आदेश- शिवराज सरकार के फैसले के बाद पुलिस मुख्यालय की तरफ से प्रदेश के सभी जिलों के एसपी को सहारा इंडिया से जुड़ी हुई शिकायतों के बाद उनका पैसा वापस लौटाने के निर्देश दिए हैं। जहां जिस भी निवेशक जो आपत्ति होगी। उसे उसकी शिकायत के आधार पर पैसा लौटाया जाएगा।

10 करोड़ निवेशकों के पैसे फंसे हुए हैं- दरअसल, हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमिथ शाह ने 'सहारा रिफंड पोर्टल' लॉन्च किया था। इस पोर्टल में सहारा इंडिया के सभी इन्वेस्टर्स की डिटेल्स है। जिसमें यह जानकारी भी दी गई है कि सहारा में निवेश करने वालों का पैसा कैसे वापस पाया जा सकता है। बता दें कि सहारा इंडिया की को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के 10 करोड़ निवेशकों के पैसे फंसे हुए हैं। जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड जैसे राज्य के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है।

- इन योजनाओं के निवेशक ही कर सकेंगे आवेदन
- सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड
- हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
- सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
- स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे के जन्मदिन पर देश से नफरत और हिंसा का माहौल खत्म होने की कामना की

- जिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष रेखा चौधरी ने आनंद आश्रम में असहाय वृद्धजनों के बीच मनाया खरगे का जन्मदिन

सागर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मलिकार्जुन खरगे के जन्मदिन को कांग्रेसजनों ने वृद्धजनों के बीच मनाया। जिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष रेखा चौधरी ने कई कांग्रेसजनों के साथ आनंद आश्रम पहुंचकर असहाय वृद्धजनों को स्वल्पाहार, फल एवं मिष्ठान वितरण किए।

आनंद आश्रम में वृद्धजनों को संबोधित करते हुए रेखा चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री मलिकार्जुन खरगे जी का आज जन्मदिन है और हम समाज की सबसे कीमती पीढ़ी वृद्धजनों के बीच आकर उनकी लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की कामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में नफरत और हिंसा के माहौल को खत्म करने की दिशा में माननीय श्री खरगे जी सफल हो ऐसी हम सब की कामना है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने कहा कि खरगे जी के जन्मदिन को असहाय वृद्धों के लिए समर्पित करना बेहद सराहना का काम है। इन सब की दुआओं से खरगे जी देश सेवा के संकल्प को पूरा करें ऐसी हम सब की आशा और कामना है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रमाकांत यादव प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण सोनकिया पार्षद ताहिर खान रिचा सिंह गौड़ अशोक नागवाणी रवि सोनी भैयन पटेल, अशोक कुशवाहा, महेश अहिरवार, कुंजीलाल लडिया, रजिया खान, आदिल राईन, राहुल रजक, रामगोपाल खटीक भागवती बाई, नरेंद्र अहिरवार, मुरलीधर चौधरी, अनुष्का, काजल, शिवा, एकता, वीरू चौधरी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर अभय दुबे और मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा की संयुक्त पत्रकार वार्ता

साँच बराबर तप नहीं और झूठ बराबर पाप

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान संवैधानिक पद पर रहकर न सिर्फ खुद झूठ बोल रहे हैं, अपितु अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी झूठी जानकारियां उपलब्ध कराकर उन्हें भी झूठ बोलने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

ग्वालियर-चंबल संभाग में 21 जुलाई 2023 को कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी की जन आक्रोश रैली में जिस प्रकार लाखों लोगों ने मुखरता से मप्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फैकने का संकल्प लिया, उसे देखकर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बेहद व्यथित हैं और वे अपनी इस निराशा को एक और झूठ बोलकर व्यक्त कर रहे हैं।

प्रियंका गांधी जी ने मप्र के कुछ गंभीर मुद्दों को रेखांकित किया था, जिसमें किसानों की घटती आमदनी, पटवारी भर्ती परीक्षा घोटाला, महाकाल लोक में हुये भीषणतम भ्रष्टाचार और महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे उन्होंने मुखरता से उठाये। मुख्यमंत्री जी को पीड़ा इस बात की है कि प्रियंका गांधी जी किसानों की घटती आमदनी और बेरोजगारी का सच प्रदेश की जनता के सामने क्यों रखा? आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी मप्र के मुख्यमंत्री जी का झूठ और मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जी को दी गई गलत जानकारी का सच प्रदेश के सामने उजागर कर रही है।

किसानों की आमदनी न हुई दोगुना-दर्द दिया सोगुना- मप्र के किसानों की आमदनी कम होने का सच खुद मोदी सरकार की संसदीय समिति ने देश के सामने रखा है। मोदी सरकार की संसदीय समिति ने दिसम्बर, 2022 में यह बताया है कि मप्र देश के उन चार राज्यों में शामिल है, जिसके किसानों की आमदनी बहुत अधिक घट गई है। वर्ष 2015-16 में जो आमदनी 9740 रू. प्रतिमाह थी वह घटकर 8339 रू. प्रतिमाह रह गई है। मोदी सरकार के एनएसएसओ ने सितम्बर 2021 की अपनी 77 वीं रिपोर्ट में यह भी बताया था कि फसल उत्पादन में सलग्न प्रति कृषि परिवार की मासिक फसल से प्राप्ति 26.59 रू. प्रतिदिन है। जहां तक किसान सम्मान निधि का प्रश्न है तो भाजपा सरकारों ने 25 हजार रू. हेक्टेयर खेती की लागत बढ़ाकर न सिर्फ किसान सम्माननिधि को नगण्य साबित किया है, अपितु किसानों को कर्ज के बोझ में भी दबा दिया है। वर्तमान में मप्र में 3.5 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के दायरे से बाहर कर दिया है। केंद्र प्रायोजित योजना में 2022-23 में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग का 61 प्रतिशत पैसा कृषि कल्याण के लिए खर्च ही नहीं किया गया। मप्र में भाजपा राज में 20489 किसान आत्महत्या के लिए विवश हुये।

मुख्यमंत्री जी ने नड्डा जी से सच छुपाया और झूठ बुलवाया- जून 2023 में मप्र के निमाड़ क्षेत्र के दौरे पर आये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जी से यह झूठ कहलवाया गया कि मप्र में शिवराज सरकार किसानों की भावांतर योजना चला रही है और कमलनाथ सरकार ने इसे बंद कर दिया था। जबकि सच यह है कि 2019-20 में भावांतर भुगतान योजना/फ्लेट भावांतर योजना में 2019-20 में कमलनाथ सरकार के दौरान 422 करोड़ 84 लाख रूपये की राशि खर्च की गई। भाजपा सरकार में 2021-22 में एक भी पैसा इस योजना पर खर्च नहीं किया गया, वहीं 2022-23 में इस योजना में मात्र एक हजार रूपये का प्रावधान किया गया मगर पैसा खर्च नहीं किया गया। वर्ष 2023-24 के बजट में भी मात्र एक हजार रूपये का प्रावधान इस योजना में रखा गया है।

रीवा में प्रधानमंत्री जी के सम्मुख मुख्यमंत्री ने परोसा झूठ- प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में अप्रैल 2023 में मुख्यमंत्री जी ने तीन बड़े झूठ बोले। एक कहा कि किसानों की आमदनी दोगुना हो गई, दूसरा कहा कि कमलनाथ सरकार ने जल-जीवन मिशन योजना का पैसा उपयोग नहीं किया और राशि केंद्र को वापिस कर दी और तीसरा झूठ कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की राशि भी कमलनाथ सरकार ने उपयोग नहीं की और केंद्र को वापिस कर दी।

पीएम आवास का सच- जबकि सच्चाई यह है कि कमलनाथ सरकार ने पीएम आवास योजना ग्रामीण में जनवरी 2018 से मार्च 2019 तक कुल 75145 घरों का निर्माण किया गया तथा अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक 271273 घरों का निर्माण किया गया। अर्थात कुल 346418 घरों का निर्माण किया गया, जिसमें कमलनाथ सरकार ने 1662.8 करोड़ रूपये खर्च किये और केंद्र सरकार ने 2494.2 करोड़ रू. खर्च किये।

एक-दो दिन में हो सकता है भाजपा की चुनावी टीम का ऐलान, भोपाल में देर रात तक चली अहम बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीनों का समय बचा हुआ है। इससे पहले सभी राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कास ली है। हालांकि अभी विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए दोनों बड़ी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस जमीनी स्तर पर अपनी तैयारियां कर रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लोगों के बीच पहुंचकर कई बड़े ऐलान करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए मध्यप्रदेश में लगातार बड़े नेताओं के दौरे भी चल रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के दौरे पर आए थे। उनके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी भोपाल दौरे पर आ चुके हैं। कांग्रेस से प्रियंका गांधी भी अपने चुनावी प्रचार का आगाज कर चुकी है। साथ ही आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल भी अभी कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश दौरे पर आए थे और अब एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 26 जुलाई को मध्य प्रदेश दौरे पर आने वाले हैं।

इन सबके बीच आगामी चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार देर रात तक अपनी बैठक की, जिसमें भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, नरेंद्र सिंह तोमर समेत कई बड़े नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अमित शाह के दौरे को लेकर और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई है। जानकारी चलिए आपको बता दें कि आज चुनाव प्रबंधन कार्यालय का उद्घाटन भी किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले एक-दो दिन में चुनावी टीम की घोषणा कर सकती है।

कोरकू समाज के लोगों के साथ गाली गलौज करते भाजपा विधायक शाह का वीडियो वायरल, मुख्यमंत्री जी भाजपा की लाज टिमरनी में बचाना हो तो विधायक संजय शाह को पार्टी से निष्कासित कर दो, जयस ने सौंपा ज्ञापन

प्रमोद बर्सले

टिमरनी। सत्ता के नशे में चूर विधायक संजय शाह ने अपनी ही विधानसभा के सोनपुरा गांव में कोरकू समाज के लोगों के साथ एक छोटी सी बात को लेकर हाथ में डंडा लेकर मारने का प्रयास करते हुए जमकर गाली-गलौज करते हुए कहा कि अभी तुमने नेता देखा ही कहां है अब मैं तुम्हें नेतागिरी दिखाता हूं और जमकर गरजते हुए सत्ता के नशे में चूर भाजपा विधायक ने जमकर हंगामा किया। जिसका एक वीडियो वायरल होते ही समाज के लोगों में भाजपा विधायक के प्रति काफी आक्रोश नजर आ रहा है जिसको लेकर जय ने राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार रितु भार्गव को ज्ञापन सौंपकर भाजपा विधायक संजय शाह का जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया और हाय-हाय व संजय शाह मुर्दाबाद के नारे लगाए और भाजपा विधायक संजय शाह पर कड़ी कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। अगर 07 दिनों में कड़ी कार्यवाही

नहीं की जाती है तो जयस द्वारा उग्र आंदोलन एवं प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी जवाबदारी शासन की होगी- भाजपा विधायक शाह का डीएनए टेस्ट की मांग टिमरनी सिराली विधानसभा से तीन बार विधायक रहे संजय शाह पर आम आदमी पार्टी के जिला सह सचिव आनंद जाट ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा विधायक संजय शाह आदिवासी नहीं हैं। यह आदिवासी के नाम पर आदिवासियों का हनन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री अपने भाजपा की लाज टिमरनी में बचाना हो तो विधायक संजय शाह को पार्टी से निष्कासित कर दो। यह आदिवासी नहीं है पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे की तरह इनका भी जाति प्रमाण पत्र फर्जी है जिसकी

जांच की जाए तो वही आदिवासी संगठन जयस ने भी कहा कि फर्जी तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनवाकर आदिवासी बने हैं। इनका डीएनए टेस्ट कराई जाए यह आदिवासी नहीं है। विधायक शाह की सदस्यता भाजपा पार्टी द्वारा शीघ्र ही खत्म की जाए और विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किए जाने की मांग की गई।

आदिवासियों की भूमि पटवारी ने कर दी दूसरों के नाम- जयस संगठन द्वारा ज्ञापन के माध्यम से बताया कि आदिवासियों की भूमि पटवारियों ने खसरा रकवा नंबर बदलकर दूसरों के नाम हजारों एकड़ भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज करा दी गई है। वैसे ही आदिवासियों के पास भूमि बहुत कम मात्रा में बची है और कुछ बची हुई भूमि पर दबंगों कब्जा कर रखा है तो कुछ अधिकारी और पटवारियों की मिलीभगत से भूमि गैर आदिवासी लोगों के नाम पर दर्ज हो चुकी है जिसकी तत्काल जांच कराकर आदिवासियों की भूमि आदिवासियों के नाम पर दर्ज की जाने की मांग की गई। इस दौरान जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक शाह का क्षेत्र में भारी विरोध भाजपा विधायक संजय शाह लगातार तीन बार विधायक रहे हैं किंतु अपने चहेतों और खास लोगों के बीच ही सिमट कर रह जाने के कारण जनता से कोसों दूर होने से क्षेत्र की जनता में विधायक शाह के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि कई महीने बीत जाते हैं लेकिन विधायक शाह क्षेत्र में दिखते नहीं और ना ही किसी भी व्यक्ति का फोन उठाते हैं और ना ही नागरिकों से मिलना पसंद करते हैं। विधायक के इसी रवैए के कारण भाजपा को इस बार चुनाव में भारी नुकसान हो सकता है।

पशुपालन एवं डेयरी के विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा गत दिवस अपने कार्यालय में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में केसीसी, सीएम हेल्पलाईन, एनएआईपी-3 वत्सोत्पादन, एनएआईपी-4 गर्भ परीक्षण व वत्सोत्पादन, पशु बीमा, मैत्री प्रशिक्षण, गौ-शाला, सेक्स सार्टेड सीमन, एम.व्ही.यू., एल.एस.डी., एफ.एम.डी. तृतीय चरण, विभिन्न योजनाओं के आवेदन, वर्ष 2023-24 के स्टेट बैकयार्ड व कड़कनाथ योजना और एनएलएम योजनाओं की समीक्षा की गई और सभी पशु चिकित्सा विकास अधिकारियों व पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को सभी योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

19 लाख के तालाब का हुआ लोकार्पण पुरतला ग्राम में विकास पर्व कार्यक्रम का हुआ आयोजन,

अमरवाड़ा। जनपद पंचायत अमरवाड़ा अंतर्गत पुरतला ग्राम में विकास पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता उत्तम सिंह ठाकुर जनपद अध्यक्ष निलेश कंगाली पंडित बसंत चौबे विनोद चंद्रवंशी नवीन साहू धनपाल साह पहुंचे। सर्वप्रथम कार्यक्रम में मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात क्रमवार सभी अतिथियों ने ग्रामीणों को संबोधित किया। इस मौके पर भाजपा नेता उत्तम सिंह ठाकुर ने आमजनों को संबोधित करते हुए कहा वर्तमान की भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित है। जिनसे हम भलीभांति परिचित होने के साथ-साथ पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक की सभी महत्वाकांक्षी योजना मध्य प्रदेश सरकार आम जनों तक सीधे पहुंचा रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एक सेवक की तरह जनता की सेवा कर रहे हैं,तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम अपना कर्तव्य बखूबी निभाए और अपना आशीर्वाद प्रदान करें। केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार है और दोहरी गति से विकास कार्य सहित योजनाएं आम जनों के लिए संचालित हो रही है। पुरतला में विकास पर्व के आयोजन में लगभग ?19 लाख की लागत का अमृत सरोवर के तालाब का सभी अतिथियों के हंसते लोकार्पण भी किया गया। वही कार्यक्रम में ग्राम के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों के साथ साथ जनपद सदस्य ग्राम सरपंच पंचायत सचिव रोजगार सहायक उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन सचिव जिब्राइल अंसारी के द्वारा किया गया।

स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक

अमरवाड़ा। नगरपालिका अमरवाड़ा के स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी की अध्यक्षता एवं स्वच्छता विभाग के सभापति नीतू शैलेंद्र पटेल की उपस्थिति में संपन्न हुई ढ्ढ वर्तमान में बारिश काल में कचरा प्रबंधन स्थल की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई और लगातार बढ़ रही मक्खियों की समस्या के निदान के लिए पाउडर छिड़काव सहित अन्य उपाय करने के निर्देश दिए गए ढ्ढ नगर के विभिन्न भागों में सक्रिय सफाई कर्मियों की टीम की वार्ड अनुसार समीक्षा की गई एवं कर्मियों को अपने निर्धारित स्थल पर प्रतिदिन सफाई करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी रोशन सिंह बाथम, पार्षद सुरक्षा नवीन जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, स्वच्छता पर्यवेक्षक मुकेश कहार सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय राशि 20.90 लाख का हिसाब देने मे प्राचार्य की आनाकानी

छिन्दवाड़ा/ सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सत्येन्द्र सिंह मरकाम ने बताया कि सीएम हेल्पलाईन में प्राचार्य संकुल केन्द्र घानाउमरी द्वारा खाते से 20.90 लाख रूपये की राशि का फर्जी तरीके से शासन के नियम विरूध्द राशि आहरण किये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर प्राप्त शिकायत की जांच के लिये कार्यालयीन पत्र 7 मार्च 2023 के माध्यम से 2 सदस्यीय समिति का गठित की गई। गठित समिति द्वारा 13 अप्रैल 2023 को संस्था में उपस्थिति दी गई, किन्तु संस्था की प्राचार्य श्रीमती नाजनीन खान संस्था में उपस्थित नहीं हुई। इस संबंध में कार्यालयीन अंतिम स्मरण पत्र 6 जून 2023 द्वारा पुनः श्रीमती खान को पत्र लिखा जाकर 8 जून 2023 को समिति सदस्यों को अभिलेख उपलब्ध कराने के लिये लिखा गया लेकिन श्रीमती खान द्वारा आज दिनांक तक व्यय राशि 20.90 लाख रूपये के अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये हैं।इस संबंध में श्रीमती नाजनीन खान को समाचार पत्र के माध्यम से अंतिम बार स्मरण कराया गया है कि वे विज्ञप्ति जारी होने की 7 दिवस की समयावधि में व्यय राशि के अभिलेख कार्यालय में गठित समिति के समक्ष उपलब्ध करायें। समयावधि में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में श्रीमती नाजनीन खान के विरूध्द वित्तीय अनियमितता करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर दी जायेगी।

567 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 567 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 697.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई।

राशन चावल की कालाबाजारी, कुंडीपुरा पुलिस ने सिवनी प्राणमोती में पकड़ा ट्रक और गोदाम

छिन्दवाड़ा। सरकारी राशन दुकानों से गरीब परिवारों को दिए जाने वाले चावल की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी चल रही थी। कुंडीपुरा पुलिस ने इसका पर्दाफाश किया है। पुलिस ने शनिवार को अपने थाना क्षेत्र में गाँधीगंज से ही कुछ दूरी पर सिवनीप्राणमोती में एक ट्रक चावल जप्त किया है।पुलिस ने गोदाम से निकले ट्रक को रोक कर चेक किया तो ट्रक में यह चावल भरा पाया गया जिसे व्यापारी जिले के बाहर कही दूसरे बड़े व्यापारी को भेज रहा था। पुलिस ने ट्रक जप्त कर तत्काल ही फूड और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को सत्यापन के लिए बुलाया जिसमे पाया गया कि चावल तो राशन दुकानों का ही है किंतु व्यापारी के पास आया कहा से यह जांच का विषय है। जानकारी के अनुसार सिटी एस पी प्रियंका पांडेय और कुंडीपुरा थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया सहित टीम ने शनिवार की शाम को सूचना की तस्दीक में मौके पर पहुंचकर गोदाम पर नजरें गड़ाई थी। जैसे ही ट्रक गोदाम से निकला पुलिस ने रोक लिया। ट्रक में फूड और नागरिक आपूर्ति निगम की बोरियों में भरा चावल भरा था। ट्रक में 180 बोरा चावल मिला वही जब पुलिस ट्रक पकड़ने के बाद गोदाम पहुंची तो यहां भी बड़ी मात्रा में राशन के चावल का स्टॉक मिला है। यह गोदाम गांधी गंज के अनाज व्यापारी नर्मदा साहू के पुत्र पुनीत साहू का बताया गया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए ट्रक ड्राइवर कंडक्टर सहित व्यापारी को भी थाना बुलाया है। यह चावल केवल राशन दुकानदारों और राशन दुकान से कार्ड धारियों को उपलब्ध होता है। सवाल यह है कि व्यापारी के पास इतनी बड़ी मात्रा में चावल आया कहा से तो साफ ही है कि राशन की कालाबाजारी का खेल छिन्दवाड़ा में चल रहा है।सिटी एस पी प्रियंका पांडेय ने बताया कि कुंडीपूरा थाना क्षेत्र में ट्रक क्रमांक एस पी -28 एवं 1 अनाज वितरण का चावल भरा था। फूड और नागरिक आपूर्ति निगम से इसकी रिपोर्ट मांगी गई अभी जांच चल रही है। 06 को जप्त किया गया है। ट्रक में सरकारी है। इसके बाद आगे कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस ने भाजपा जिलाध्यक्ष का असली चेहरा सामने लाया

पत्रकारवार्ता में गिनाई भाजपा की नाकामियां

छिन्दवाड़ा। जिले के राजनीतिक माहौल को बिगाड़ने के साथ ही सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का प्रयास कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष का असली चेहरा कांग्रेस ने आज आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से सामने लाते हुये, बिन्दुवार एक-एक प्रकरण का खुलासा किया। आयोजित वार्ता में कांग्रेस ने साफ किया कि किस तरह षड्यंत्र पूर्वक शहर की फिजा को बिगाड़ने की कोशिश भाजपा के द्वारा की जा रही है, किन्तु कांग्रेस उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। देश को आजादी दिलाने के लिये कांग्रेस पहले गोरो से लड़ी अब आसामाजिक तत्वों से लड़ेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये सर्वप्रथम कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकारा कि वे क्या हैं और विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के बीच भी उसे स्वीकार कर रहे हैं। वार्ता को सम्बोधित करते हुये जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष कहते फिर रहे हैं कि उन्होंने छिन्दवाड़ा का विकास किया है, श्री पुन्हार ने सवाल उठाते हुये कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष पूर्व और वर्तमान में किस पद पर है जो उन्होंने विकास की योजनायें लाई, किस योजना के लिये फंड लेकर आये हैं, अमरवाड़ा विकासखण्ड के कहुआ गांव के स्कूल सहित अन्य स्कूल भवनों की जर्जर स्थिति का उल्लेख करते हुये सवाल उठाये कि भाजपा जिलाध्यक्ष का विकास कहां है। उन्होंने भाजपा के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों पर बनाये जा रहे दबाव का भी उल्लेख करते हुये कहा कि अधिकारी और कर्मचारी स्वतंत्ररूप से काम नहीं कर पा रहे हैं।

निगम महापौर विक्रम अहके ने राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय का नाम आर.एस.एस. किये जाने पर सवाल उठाते हुये कहा कि आदिवासियों के सम्मान में अगर विश्वविद्यालय का नाम राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह नाम होना चहिये था, किन्तु भाजपा ने आरएसएस को प्रचारित करने के लिये यह किया है, किन्तु भाजपा का असली चेहरा आदिवासियों का अपमान करना ही है।

कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी ने उपस्थित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये कहा

कि भाजपा जिलाध्यक्ष बंटी साहू मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले पर जाये और पूछे की छिन्दवाड़ा की विकास की योजनाओं पर विराम क्यों लगा दिया। प्रधानमंत्री के बंगले पर जायें और वहां से छिन्दवाड़ा के लिये बजट लेकर आयें जिससे छिन्दवाड़ा का विकास हो सके। श्री बक्षी ने खुले शब्दों में कहा कि श्री कमलनाथ जी एवं श्री नकुलनाथ जी ने छिन्दवाड़ा का विकास किया है इस बात को भाजपा के नेता अनेक बार स्वीकार कर चुके हैं और कह चुके कि कमलनाथ जी सारा बजट छिन्दवाड़ा लेकर चले गये। निगम अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोनू मांगों ने कहा कि प्रभारीमंत्री के समक्ष भाजपा जिलाध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट की बैठक में आनंदम टाउनशिप के हितग्राहियों के 3 लाख 50 हजार रुपये माफ करने की घोषणा की थी, किन्तु आज तक यह घोषणा पूरी नहीं हुई है और अब हितग्राहियों को नोटिस दिये जा रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष का यह सबसे बड़ा झूठ सभी के सामने है। अंत में जिला कांग्रेस प्रवक्ता नितिन उपाध्याय ने कहा कि भाजपा पुलिस पर दबाव बनाकर प्रकरण दर्ज करवाकर रही है। आयोजित वार्ता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष नंदकिशोर सूर्यवंशी, युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके, एनएसयूआई अध्यक्ष अजय ठाकुर उपस्थित रहे।

पंचमुखी शिवमंदिर में 25 लाख का प्रवचन हाल बनाने घोषणा

अमरवाड़ा। पंचमुखी शिव मंदिर वार्ड 09 में मंदिर समिति की कार्यकारिणी के साथ बैठक मे सम्मिलित होकर मंदिर की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

नगरपालिका जलकार्य विभाग के सभापति विनोद साहू इन्डिया द्वारा मंदिर से लगी भूमि पर प्रवचन हाल निर्माण नगरपालिका के माध्यम से कराने की मांग समिति की ओर से की गई जिस पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा दूरभाष पर मांग स्वीकार कर 25 लाख रुपये की लागत से शिव मंदिर प्रवचन हाल निर्माण नगरपालिका द्वारा शीघ्र कराने की घोषणा की गयी मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से प्राप्त 5 करोड़ की राशि में से सर्वसुविधायुक्त प्रवचन हाल बनाया जाएगा ढ्ढ *नगरपालिका अध्यक्ष की घोषणा पर मंदिर समिति सदस्यों ने नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, सभापति विनोद साहू का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर शिव मंदिर समिति के अध्यक्ष रवि साहू, बालकृष्ण साहू, भाजपा नेता नितिन तिवारी, दिनेश साहू, प्रदीप साहू, राकेश साहू, अंकुश साहू, अनमोल साहू सहित सदस्य उपस्थित रहे।

एम.पी.इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ.कोठारी ने किया 4 स्कूलों का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन द्वारा स्कूल चलें हम अभियान की सहभागिता के लिये राज्य प्रशासनिक अधिकारी एवं एम.पी.इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ.नवनीत मोहन कोठारी को छिंदवाड़ा जिला आवंटित किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में एम.पी.इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ.कोठारी ने आज जिले के विकासखंड मोहखेड़ के ग्राम घोगरी की शासकीय माध्यमिक शाला और विकासखंड सौंसर में सौंसर के सी.एम.राइज स्कूल व ग्राम कुड्डम के शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक डॉ.कोठारी के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल व जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र जे.के.इडपाचे सहित एपीसी श्री मथुराप्रसाद चौरिया, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री शशीकुमार वहाने, विकास खंड शिक्षा अधिकारी डब्लू.आर.खापरे, संकुल प्रचार्य उमरानाला राजीव साठे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सौंसर भास्कर राव गावंडे, बीएसी अरविंद भट्ट और मनोज कोलारे साथ में थे।एम.पी.इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ.कोठारी ने ग्राम घोघरी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की कक्षा 6, 7 व 8 की डिजिटल क्लासेस देखी और अत्यंत खुश हुये। उन्होंने बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से अध्यापन कार्य और जीरो स्पेस लाइब्रेरी से प्रभावित होकर शासकीय माध्यमिक शाला घोघरी के शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने विकासखंड सौसर के सी.एम.राइज स्कूल और ग्राम कुड्डम के शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान बच्चों की पढ़ाई का स्तर, नामांकन, गणवेश, साइकिल वितरण और शासन से मिलने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

नगर युवा मोर्चा ने बनाया दो कौड़ी सेल्फी पाइंट

कौड़ी खेलते हुए लोगों दो-दो कौड़ी का वितरण कर किया विरोध प्रदर्शन

छिंदवाड़ा।छिंदवाड़ा नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष विवेक बिट्टू मंडराह ने बताया कि नगर युवा मोर्चा द्वारा स्थानीय फब्बारा चैक में दो कौड़ी सेल्फी पाइंट बनाया गया जहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेल्फी लेकर और कौड़ी खेलते हुए लोगों दो-दो कौड़ी का वितरण करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे के बयान का विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बिट्टू मंडराह ने कहा कि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष द्वारा कहे गए अशोभनीय शब्द उनकी नजरों में छिंदवाड़ा की जनता की स्थिति को प्रदर्शित करते है। आगे कहा कि इनकी नजरों में छिंदवाड़ा की जनता दो कौड़ी की है। हम इसके वक्तव्य का पुरजोर विरोध करते है। मै बताना चाहता हूँ कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। इस अवसर पर रवि मालवी, रूपेश कैथवास, रोहित माहोरे, नितिन मरकाम, नीरज कराडे, राहुल रसेला, अंकित ढोके, नितिन राउत, यश कहार, संकेत पांडे आदि उपस्थित रहे।

तालाब के पुर्नजीवीकरण एवं सौंदर्यीकरण हेतु 2 करोड़ 50 लाख की राशि स्वीकृत करने भाजपा जिलाध्यक्ष ने पत्र लिखकर मांग की

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा नगर पालिका को वर्ष 2014 में क्षेत्र का विस्तार करते हुए 24 नए ग्राम जोड़कर नगर निगम बनाया गया था। नगर निगम क्षेत्र बनने से क्षेत्र विस्तृत हो गया है और नए जुड़े ग्रामों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था नहीं थी पंचायतों द्वारा स्थानीय स्तर पर पेयजल आपूर्ति की जाती थी जिसकी पाईपलाईन पुरानी होकर खराब हो चुकी है। पुराने नगर पालिका क्षेत्र में भी कन्हरगांव डेम से 1984 में बिछाई गई पाईप लाईन खराब हो चुकी है जहां नई पाईप लाईन बिछाया जाना अनिवार्य है। जिसके लिए नगर निगम छिंदवाड़ा द्वारा अमृत 2.2 के अंतर्गत 75 करोड़ रूपये की डी.पी.आर. भेजी गई है। इसी के साथ छिंदवाड़ा निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्र. 3 खजरी क्षेत्र में स्थित तालाब जो सूख गया है, क्षेत्रवासियों द्वारा इस तालाब का पुर्नजीवीकरण एवं सौंदर्यीकरण करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। तालाब के पुर्नजीवीकरण एवं सौंदर्यीकरण हेतु 2 करोड़ 50 लाख रूपये खर्च होंगे। इस तालाब के पुर्नजीवीकरण एवं सौंदर्यीकरण से मछली पालन एवं सिंचाई कार्य भी किया जा सकेगा। जिस पर संज्ञान लेते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू द्वारा नगर निगम क्षेत्र के 24 ग्रामों की पेयजल व्यवस्था के लिए डी.पी.आर. के अनुसार 75 करोड़ की राशि स्वीकृत किए जाने हेतु एवं तालाब के पुर्नजीवीकरण एवं सौंदर्यीकरण हेतु 2 करोड़ 50 लाख रूपये स्वीकृत किए जाने के लिए केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रभारी मंत्री कमल पटेल को पत्र लिखकर राशि स्वीकृत करने के लिए पत्र लिखकर शीघ्र स्वीकृत करने का निवेदन किया गया है, जो शीघ्र पूर्ण होने की संभावना है। गौरतलब है कि भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू द्वारा पूर्व में नगरीय क्षेत्र के लिए कायाकल्प योजना के माध्यम से 8 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत करवाई जा चुकी है साथ ही जिले के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हुए कई योजनाओं को राज्य और केन्द्र सरकार के माध्यम से ला रहे है।

श्रावण मास में महारुद्र अभिषेक ,महिलाओं के हरित श्रृंगार एव सामूहिक देव दर्शन यात्रा का हुआ निर्णय

नेमा दर्पण फॉउंडेशन छिंदवाड़ा इकाई की बैठक

छिंदवाड़ा। नेमा समाज के सेवा प्रकल्प नेमा दर्पण फॉउंडेशन छिंदवाड़ा इकाई की महत्वपूर्ण त्रैमासिक बैठक श्री सुभाष नेमा (पप्पू) के निवास नए बैल बाजार कालेज रोड छिंदवाड़ा में आयोजित की गई।बैठक में वरिष्ठ,युवा एवं महिला इकाई के द्वारा निरन्तर सक्रिय रूप से किये जा रहे आयोजनों की सराहना करते हुए श्रावण मास में 6अगस्त 23 को महारुद्र महाभिषेक,महिलाओं के द्वारा हरित श्रृंगार सावन के झूले एव सामूहिक देव दर्शन यात्रा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अवगत कराया कि दर्पण बुक बैंक में किताबो का संग्रहण कार्य किया जा रहा है इसके संग्रहण के पश्चात बुक बैंक का विधिवत शुभारंभ किया जावेगा। नेमा दर्पण फॉउंडेशन छिन्दवाड़ा इकाई के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र नेमा ने उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्यो का आभार प्रगट किया।बैठक नेमा दर्पण फॉउंडेधन के वरिष्ठ संरक्षक श्री नारायण प्रसाद नेमा, श्रीमती शीला बाई नेमा एवं विजय नेमा जी के साथ साथ प्रभुनारायण नेमा, अरविंद नेमा, शेलेन्द्र नेमा,श्री गोपाल नेमा, राजेश नेमा, अनुराग नेमा, राजेन्द्र नेमा, संजय नेमा, अखिलेश नेमा, सुभाष नेमा, संजय गुप्ता, अंकित नेमा, शशांक नेमा, शुभांक नेमा, श्रीमती प्रतिमा नेमा श्रीमती श्रद्धा नेमा, श्रीमती अनुभा नेमा, श्रीमती सरोज नेमा, श्रीमती मंजू नेमा, श्रीमती सरला नेमा, श्रीमती अनिता नेमा,श्रीमती प्रीति गुप्ता, श्रीमती सोनिया नेमा,श्रीमती लालिमा नेमा, श्रीमती कीर्ति नेमा, श्रीमती आकांक्षा नेमा, श्रीमती वरुणा नेमा,श्रीमती रश्मि नेमा,श्रीमती पूजा नेमा,श्रेया नेमा,श्रुति नेमा,उपस्थित रहे

ग्राम भानादेई एवं थांवरी कला में आयोजित हुआ लाडली बहना योजना के लाभार्थियों का सम्मेलन

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा विधानसभा के ग्राम भानादेई एवं थांवरीकला में लाडली बहना योजना के लाभार्थियों का सम्मेलन स्थानीय अम्बिका मंदिर सुभाष कॉलोनी में आयोजित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शालिन विवेक साहू, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर की अध्यक्षता में आयोजित किया गय। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के बहनों के भैया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपनी बहनों के लिए हर महीने 1 हजार रुपये देने की योजना बनाई और उसे लागू किया अब डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे बहनों के खाते में राशि पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया किए है कि आगामी समय में इस राशि को 1 हजार से बढ़ाकर 3 हजार रूपये तक कर देंगे। भाजपा सरकार ने गरीब कल्याण के कार्य को अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक लगातार लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को आगे लाने के लिए पूर्ण रूप से प्रयासरत है। इसी प्रयास को मूर्तरूप में लाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के नाम से यह पहला कदम आगे बढ़ाए है। मुख्यमंत्रीशिवराज सिंह चौहान ने महिला सम्मान के लिए और उनकी खुद की एक आमदनी बनाने के लिए उन्हें सक्षम बनाने के लिए यह योजना लाई है ताकि उनकी बहने सक्षम होकर हर क्षेत्र में अपना और अपने परिवार का विकास कर सके। महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती मीना दुबे, नगर मंडल महामंत्री निशा गोस्वामी, लवीना केरकटा, प्रतिभा कपाले, रिंकी चौरसिया, भारती जैन द्वारा उपस्थित लाडली बहनों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से मातृशक्ति के साथ भाजपा नेता राजू नरोटे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रोहित पोफली, योगेश बेले, संतोष साहू, मोरेश्वर हिवसे, रंजना मोरेश्वर, सुनीता नांदेकर, मंजू लाल, सुश्री दीप्ति शुक्ला, शेषराव कराड़े, मोहित साहू सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

पशु औषधालय व गौ-शाला और कन्हरगांव में पशु चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा गत दिनों जिले के विकासखण्ड पांढुर्णा के ग्राम नांदनवाड़ी स्थित पशु औषधालय व गौ-शाला और विकासखंड परासिया के ग्राम कन्हरगांव स्थित पशु चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.पक्षवार ने बताया कि ग्राम नांदनवाड़ी स्थित पशु औषधालय के निरीक्षण के दौरान एनएआईपी योजना की लक्ष्य पूर्ति, टीकाकरण व केसीसी की लक्ष्यपूर्ति सहित सभी विभागीय योजनाओं की पूर्ति के निर्देश संस्था प्रभारी श्री संजय रेवतकर को दिये गये। निरीक्षण के दौरान विकासखण्ड पांढुर्णा के पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी डॉ.केतन पाण्डे उपस्थित थे। निरीक्षण के बाद वन विभाग द्वारा निर्मित गौ-शाला का निरीक्षण भी किया गया। इस निरीक्षण के दौरान वन विभाग के बीट प्रभारी सहित ग्राम के उप सरपंच व स्व-सहायता समूह से चर्चा कर गौ-शाला संचालन की कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि ग्राम कन्हरगांव स्थित पशु चिकित्सालय के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान संस्था प्रभारी डॉ.आर.के.चेडगे को एनएआईपी योजना की लक्ष्य पूर्ति, टीकाकरण व केसीसी पशु बीमा, एन.एल.एम. की लक्ष्यपूर्ति सहित सभी विभागीय योजनाओं की पूर्ति के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्री आर.एन.धारपुरे व श्री तरुण चौहान भी साथ में थे।

सड़क निर्माण से संभव हुआ

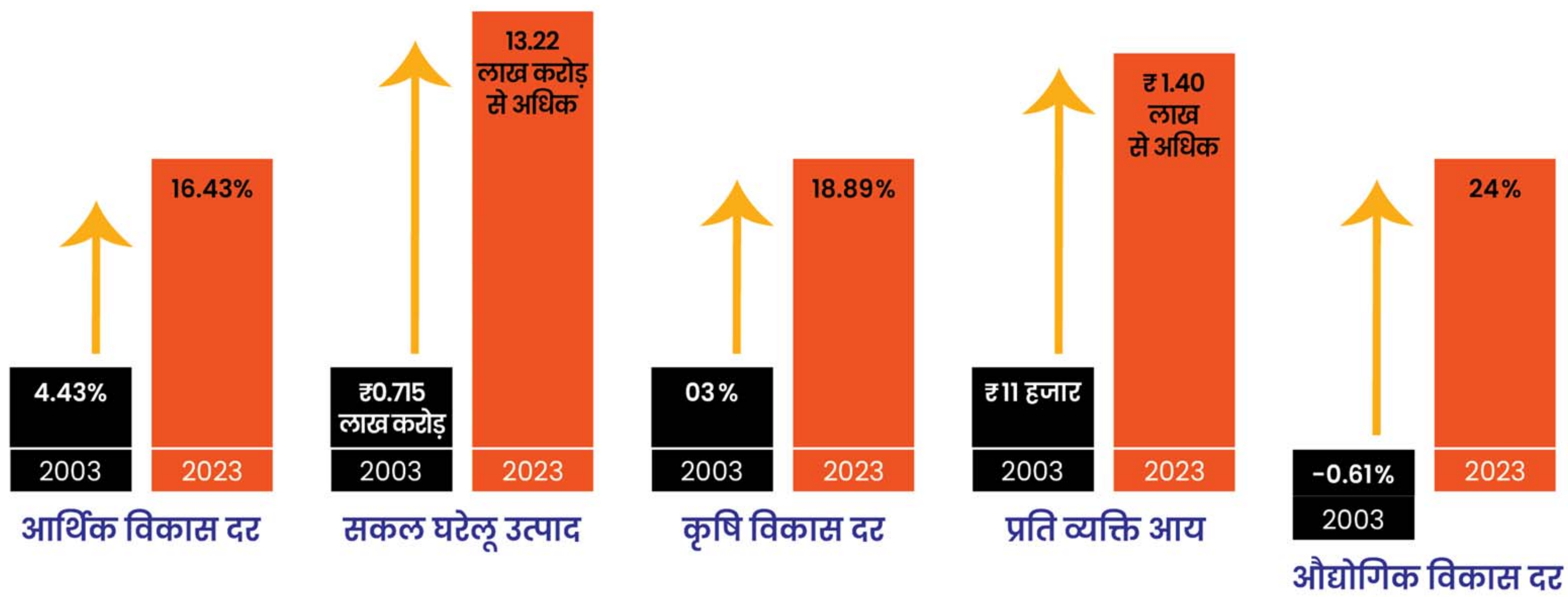

सड़क निर्माण से कृषि एवं औद्योगिक विकास

निम्न प्रगतिरत एवं पूर्ण परियोजनाओं से मिलेंगे प्रगति को नए आयाम

- **अटल प्रगति पथ (299 किमी)** • **नर्मदा प्रगति पथ (867 किमी)** • **विंध्य प्रगति पथ (676 किमी)**
- **मालवा विकास पथ (450 किमी)** • **मध्य विकास पथ (746 किमी)** • **बुंदेलखंड विकास पथ (330 किमी)**

- **दिल्ली-नागपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर :** 676 किलोमीटर मार्ग में औद्योगिक क्लस्टर
- **दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर :** देवास, उज्जैन, रतलाम, धार, नीमच, मंदसौर, और अलीराजपुर जिले का औद्योगिक विकास
- **मुंबई-वाराणसी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर :** 800 किलोमीटर, 29 जिलों को मिलेगा लाभ
- प्रदेश की सबसे लंबी रीवा-सीधी 6 लेन टनल
- जबलपुर, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, सागर, रीवा, उज्जैन के साथ अन्य 9 शहरों में रिंग रोड
- जबलपुर, इंदौर, भोपाल, देवास, ग्वालियर और सतना में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण
- **कायाकल्प योजना :** 1750 करोड़ रुपये से शहरी सड़कों का मजबूतीकरण एवं निर्माण

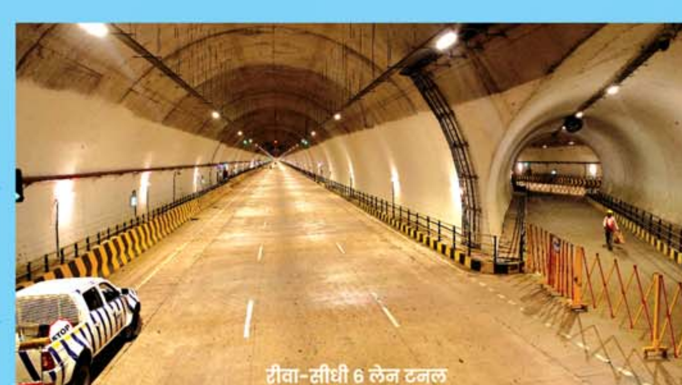
रीवा-सीधी 6 लेन टनल

गंजबासौदा से इंदौर तक जाने में 2002-03 में 12 -13 घंटे लगते थे, अब 6 घंटे में पहुंच जाते हैं। अब रात को 11 बजे घर से खाना खाकर निकलते हैं और सुबह 5 बजे की चाय इंदौर शहर में पीते हैं। समय बचा है। गाड़ियों की टूट-फूट से भी निजात मिली है।

सरवर अली
ट्रक चालक, ग्यारसपुर, विदिशा

कल के मुकाबले आज तो नक्शा ही बदल गया है। पहले सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होते थे, बारिश में चलना दूभर था। पर अब सड़कें चौड़ी और पक्की हो गयी हैं। जबलपुर से बरेला पहुंचने में पहले डेढ़ घंटे लगते थे, आज मैं सिर्फ 25 मिनट में पहुंच जाता हूँ। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हृदय से आभारी हूँ।

मुकेश दहिया
फोटोग्राफर, जबलपुर

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023

D-11068/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी